सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 332, नई दिल्ली । शनिवार, 10 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार
हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए इससे सफलता मिलेगी या तो शिक्षा।

03 तिहाड़ जेल के पूर्व जेल अधीक्षक के खिलाफ होगी सीबीआई जांच
06 मस्जिदों पर नियंत्रण देसी मुसलमानों का हो
08 ओड़िशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने भगवान के दर्शन किये

सैटेलाइट आधारित टोल संग्रह लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हो सकता है

संजय बाटला

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले राजमार्गों पर उपग्रह-आधारित टोल संग्रह लागू करने की योजना बना रही है।

श्री गडकरी ने कहा, ₹हम बहुत जल्द, शायद लोकसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले, सैटेलाइट-आधारित टोल प्रणाली लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।"

मंत्री ने कहा, यह तकनीक, जो पिछले तीन वर्षों से सरकार के विचाराधीन है, वाहनों की बाधा मुक्त आवाजाही को कम करेगी और उन्हें टोल भुगतान के लिए रुकने की आवश्यकता नहीं होगी।

फास्ट टैग्स की जगह लेगा

उन्होंने बताया कि वाहन की पंजीकरण प्लेट की तस्वीर खींची जाएगी और वाहन द्वारा तय किए गए राजमार्ग की वास्तविक लंबाई के आधार पर टोल राशि डेबिट की जाएगी।

यह रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान-आधारित फास्ट टैग्स प्रणाली की जगह लेगा जिसे 2016 में शुरू किया गया था और जनवरी 2021 से अनिवार्य कर दिया गया था।

कुल 8.13 करोड़ एफएएस-टैग जारी किए गए हैं और 98% तक पहुंच हो गई है

मंत्री के अनुसार, हासिल कर लिया गया है।

जबकि सरकार चुनाव से पहले नई टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने की जल्दी में है, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक की

अवधारणा को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अभी भी विकास के विभिन्न चरणों में है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, जो प्रौद्योगिकी को लागू करेगा, के एक अधिकारी ने कहा कि इसका परीक्षण दिल्ली और गुरुग्राम में किया गया है और जल्द ही बेंगलुरु में भी परीक्षण किया जाएगा। इसमें टोल संग्रह के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के लिए पंजीकरण करने वाला प्रत्येक वाहन ऑन-बोर्ड यूनिट (ओबीयू) से लैस होगा जो उपग्रहों के एक समूह से जुड़ा होगा। ओबीयू को एक वॉलेट से भी जोड़ा जाएगा जिससे टोल राशि काट ली जाएगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
सरकार परिवहन विभाग ऑपरेशन ब्रॉंच
5/9, अंडर हिल रोड, दिल्ली-110054

सार्वजनिक सूचना

दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पंजीकृत पुराने वाहनों पर कलर कोडेड स्टिकर और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) का लगवाना।

1. आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पंजीकृत नए और पुराने वाहनों पर तीसरे पंजीकरण चिह्न (कलर कोडेड स्टिकर) सहित उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) लगवाना एक अनिवार्य आवश्यकता है।

2. परिवहन विभाग ने वाहनों के डीलरों को पुराने वाहनों पर कलर कोडेड स्टिकर और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) लगाने के लिए अधिकृत किया है।

3. ऑन-लाइन बुकिंग की सुविधा और घर पर फिट कराने की सुविधा भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स सोसायटी की वेबसाइट www.siam.in पर उपलब्ध है। यह लिंक http://transport.delhi.gov.in पर भी उपलब्ध है।

4. सभी वाहन मालिको को यह अंतिम अवसर दिया जाता है कि वे अपने वाहनों पर HSRP और तीसरे पंजीकरण चिन्ह (कलर कोडेड स्टिकर) लगवाएं। ऐसे वाहन मालिक जो अपने वाहनों पर HSRP और तीसरे पंजीकरण चिन्ह (कलर कोडेड स्टिकर) नहीं लगवाएंगे, वे मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और सी.एम.वी. नियमों, 1989 के अधीन अभियोजन के काबिल होंगे।

उपायुक्त (ऑपरेशन)

नितिन गडकरी का दावा - दिल्ली से जयपुर के बीच हवा में चलने वाली बस चलाएंगे

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि वह दिल्ली से जयपुर के बीच स्काई बस चलाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने इस बस की खूबियां भी बताईं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट में दिल्ली से जयपुर के बीच स्काई बस चलाने की बात कहकर सभी का दिल जीत लिया। नितिन गडकरी ने ग्रुप एडिटर इन चीफ, टाइम्स नाउ नवभारत एंड टाइम्स नाउ नाविक कुमार के एक-एक प्रश्न का बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने न सिर्फ अपने पिछले 10 वर्षों के कार्यों के बारे में बताया, बल्कि आगे का प्लान भी शेयर किया।

दिल्ली से जयपुर के बीच स्काई बस

नितिन गडकरी ने 10 साल पहले की उस बात को याद किया, जब नए-नए दिल्ली आए थे। उन्होंने बताया कि उस समय वे अक्सर धौलाकुआं के आसपास जाम में फंस जाते थे। उन्होंने कहा कि उस जाम से जनता को निजात दिलाने के लिए उन्होंने यहां शानदार हाईवे बनाया। उन्होंने कहा कि अब उनकी योजना धौलाकुआं से मानेसर के बीच 40 सीटर स्काईबस चलाने की बात कही। यही नहीं, उन्होंने कहा कि वह दिल्ली से जयपुर के बीच भी स्काई बस चलाने पर विचार कर रहे हैं।

स्काई बस में होंगी ये सुविधाएं

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली से जयपुर के बीच चलने वाली स्काईबस पूरी तरह से एसी होगी। इसमें बैठकर लोग लैपटॉप पर काम करते हुए 2 घंटे में दिल्ली से जयपुर पहुंच जाएंगे। यही नहीं उन्होंने बताया कि बस में बिजनेस क्लास भी होगा और इस बस का किराया सामान्य डीजल बस की तुलना में 30 फीसद कम होगा, जबकि पॉल्यूशन जीरो होगा। उन्होंने दिल्ली और मुंबई के बीच भी इलेक्ट्रिक बस चलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि इसकी प्रेरणा उन्हें तब मिली जब वह जेकोस्लोवाकिया में स्कोडा की फैक्टरी में गए थे। उन्होंने उस बात को याद करते हुए कहा कि वहां उन्होंने तीन बसों को जोड़कर बनाई गई ट्रॉली बस देखी थी, जिससे उन्हें यह आइडिया मिला।

> दिल्ली से जयपुर के बीच चलने वाली स्काईबस पूरी तरह से एसी होगी। इसमें बैठकर लोग लैपटॉप पर काम करते हुए 2 घंटे में दिल्ली से जयपुर पहुंच जाएंगे। यही नहीं उन्होंने बताया कि बस में बिजनेस क्लास भी होगा और इस बस का किराया सामान्य डीजल बस की तुलना में 30 फीसद कम होगा...

दर्दनाक: बस ने कार के उड़ाए परखच्चे, हादसा ऐसा कि इंजन में फंस गई लाश; देखने वालों के भी कांप गए पैर

आगरा। कासगंज-बरेली मार्ग पर राजस्थान रोडवेज की बस ने एक कार को बुरी तरह रौंद दिया। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार व्यक्ति की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। लाश कार के इंजन में इस कदर फंस गई कि देखने वाले भी कांप गए। शव को बमुश्किल निकाला गया। वहीं हादसे में घायल कार सवार महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कासगंज-बरेली मार्ग पर तुमरिया गांव के निकट राजस्थान परिवहन निगम की बस और एक कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेजी हुई कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना में कार चला रहे वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव कार में बुरी तरह से फंस गया। ग्रामीणों ने और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी मुश्किल से मृतक चालक का शव बाहर निकाला। इस दुर्घटना में मृतक की पत्नी भी गंभीर घायल हो गईं। पुलिस ने बस के चालक को हिरासत में ले लिया है।

यह दुर्घटना शुक्रवार को सुबह के समय हुई जब राजस्थान परिवहन निगम की बस कासगंज से कछला की ओर जा रही थी। इसी दौरान बदायूं की ओर से कार कासगंज की ओर आ रही थी। तुमरिया गांव के समीप बस और कार में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हुई। टक्कर होते ही तेज आवाज हुई। आवाज सुनकर आसपास व खेतों में काम कर रहे लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। बताया गया कि कार में सवार दंपती मुरादाबाद से आ रहे थे। इस दुर्घटना में रामवीर (62) निवासी ग्राम अकबरपुर स्याली थाना छबीलैठ अपनी पत्नी मिथलेश के साथ एटा रिश्तेदारी में जा रहे थे। रामवीर स्वयं कार चला रहे थे। दुर्घटना के बाद कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए।

रामवीर के सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। रामवीर का शव क्षतिग्रस्त कार के अगले हिस्से में फंस गया। बमुश्किल ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर शव को निकाला। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पत्नी मिथलेश को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बस के चालक को हिरासत में ले लिया है।

सीएमवीआर 1989 की धारा 40 पर मोर्थ से स्पष्टीकरण प्राप्त

परिवहन विशेष न्यूज

हम यहां सीएमवीआर 1989 की धारा 40 के संबंध में MoRTH से प्राप्त स्पष्टीकरण को साझा करते हैं, जिसकी विभिन्न राज्यों, विशेष रूप से महाराष्ट्र के आरटीओएस द्वारा गलत व्याख्या की जा रही थी और ट्रांसपोर्टरों को उस आरटीओ के अधिकार क्षेत्र में पंजीकरण करने के लिए मजबूर किया गया था जिसमें ट्रांसपोर्टर रहता है या उसके पास है। व्यवसाय स्थल।

स्पष्टीकरण के अनुसार, वाहन को राज्य के भीतर वाहन मालिक के निवास स्थान या व्यवसाय की परवाह किए बिना किसी भी पंजीकरण प्राधिकारी के साथ पंजीकृत किया जा सकता है।

यह "व्यवसाय करने में आसानी" प्रदान करेगा और जो भी गलत व्याख्याएं गढ़ी गई हैं, उन्हें दूर किया जाएगा।

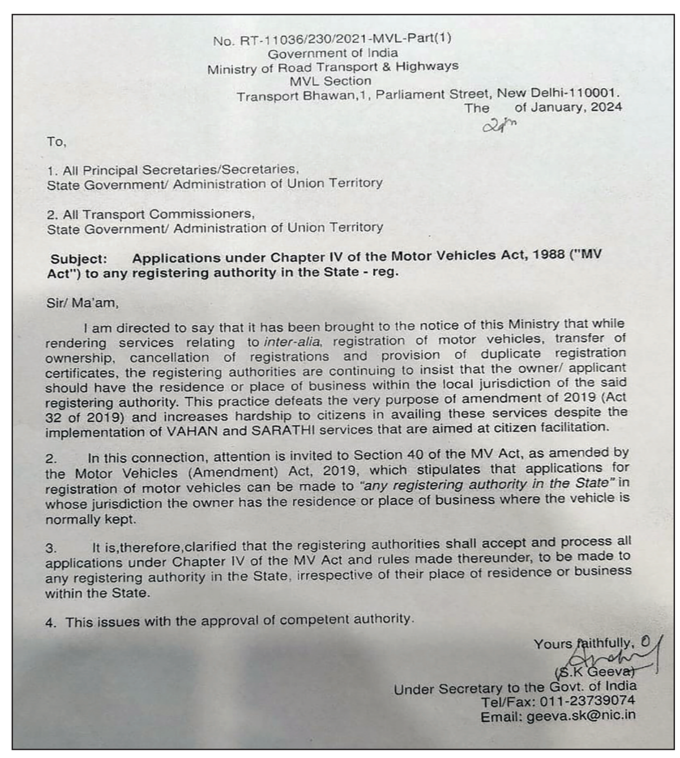

No. RT-11036/230/2021-MVL-Part(1)
Government of India
Ministry of Road Transport & Highways
MVL Section
Transport Bhawan,1, Parliament Street, New Delhi-110001.
The 24th of January, 2024

To,

1. All Principal Secretaries/Secretaries,
State Government/ Administration of Union Territory

2. All Transport Commissioners,
State Government/ Administration of Union Territory

Subject: Applications under Chapter IV of the Motor Vehicles Act, 1988 ("MV Act") to any registering authority in the State - reg.

Sir/ Ma'am,

I am directed to say that it has been brought to the notice of this Ministry that while rendering services relating to *inter-alia*, registration of motor vehicles, transfer of ownership, cancellation of registrations and provision of duplicate registration certificates, the registering authorities are continuing to insist that the owner/ applicant should have the residence or place of business within the local jurisdiction of the said registering authority. This practice defeats the very purpose of amendment of 2019 (Act 32 of 2019) and increases hardship to citizens in availing these services despite the implementation of VAHAN and SARATHI services that are aimed at citizen facilitation.

2. In this connection, attention is invited to Section 40 of the MV Act, as amended by the Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019, which stipulates that applications for registration of motor vehicles can be made to *"any registering authority in the State"* in whose jurisdiction the owner has the residence or place of business where the vehicle is normally kept.

3. It is,therefore,clarified that the registering authorities shall accept and process all applications under Chapter IV of the MV Act and rules made thereunder, to be made to any registering authority in the State, irrespective of their place of residence or business within the State.

4. This issues with the approval of competent authority.

Yours faithfully,
(S.K Geeva)
Under Secretary to the Govt. of India
Tel/Fax: 011-23739074
Email: geeva.sk@nic.in

डीटीसी के कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने की यह बड़ी घोषणा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीटीसी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा- DTC के सभी रिटायर्ड बुज़ुर्गों के लिए खुशखबरी लाया हूं। आपकी सारी बकाया पेंशन आपके खाते में चली गई है। देरी के लिए माफी चाहता हूं। मैं जानता हूं आप मुझसे नाराज हो लेकिन मैं आपका बच्चा हूं। देरी के लिए माफ कर देना।

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के पूर्व कर्मचारियों के लिए दिल्ली सरकार ने अच्छी खबर दी है। पूर्व कर्मचारियों के बकाए पेंशन का सरकार ने भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा- DTC के सभी रिटायर्ड बुजुर्गों के लिए खुशखबरी लाया हूं। आपकी सारी बकाया पेंशन आपके खाते में चली गई है। देरी के लिए माफी चाहता हूं। मैं जानता हूं आप मुझसे नाराज हो, पर आपका बच्चा हूं। देरी के लिए माफ कर देना।

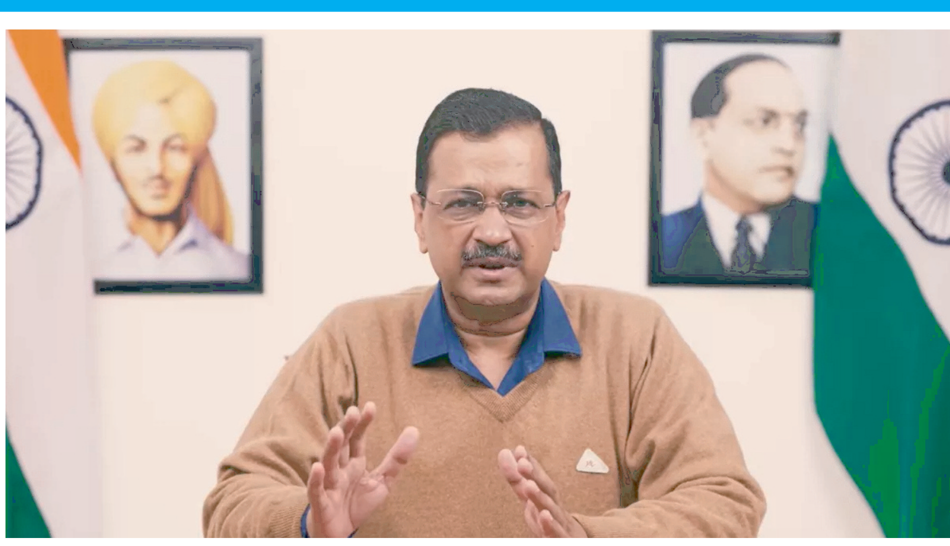

उन्होंने कहा कि पिछले साल-डेढ़ साल से आपको पेंशन मिलने में बड़ी परेशानी हो रही थी। 2015 में जब हमारी सरकार बनी थी, उससे पहले आपको पेंशन मिलने में बड़ी परेशानी होती थी। तब की सरकार कहती थी कि डीटीसी के पास फंड नहीं है। हम आपको पेंशन नहीं दे सकते, लेकिन हमारी सरकार आने के बाद दिल्ली सरकार अपने फंड से आपके लिए पेंशन की व्यवस्था की है। आपको हर महीने पेंशन मिल रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल से जो आपको दिक्कत हुई है, उसके लिए आपसे माफी मांगना चाहता हूं। आप जानते हैं कि केंद्र सरकार हमारे काम में अड़चन डाल रही है, लेकिन मैं पेंशन मिलने की देरी के लिए खुद को जिम्मेदार मानता हूं। बाकी मैं ठीक कर लूंगा।

'विशेष सत्र बुलाकर पेंशन की व्यवस्था की'

उन्होंने कहा कि पिछले साल एक गांव में गया था। तब डीटीसी के एक कर्मचारी ने मुझसे पेंशन के लिए कहा था। तब मैं उनसे वादा किया था कि आपका बच्चा हूं और आपसे वादा करता हूं कि आपको पेंशन जरूर मिलेगी। मैंने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आपके पेंशन का प्रावधान किया। अब आपकी सारी पेंशन आपके अकाउंट में आ गई है। आगे जब भी कोई दिक्कत आई तो भरोसा रखना क्योंकि केजरीवाल आपकी सारी पेंशन दिलाकर रहेगा।

'बीजेपी ने पूरी दिल्ली में मचा रखी है गुंडागर्दी'

उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार और अन्य पार्टी पूरी दिल्ली में गुंडागर्दी मचा रखी है। हम कोशिश कर रहे हैं कि आपके सारे काम करके रहेंगे। अभी हमारे पास ज्यादा पावर आई नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जो भी शक्तियां दी है, वह भी छीन ली गई है। दिल्ली के लोग मेरा परिवार है और आपको पिता समान मानता हूं। आप अपना आशीर्वाद बनाए रखिएगा।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

काफी कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रहा है वजन, महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स, तेजी से होगा वेट गेन

दुबली-पतली महिलाएं आमतौर पर वेट गेन करने के लिए अनगिनत नुस्खे आजमाती हैं, मगर हेल्दी डाइट फॉलो करने के बावजूद भी कई बार वजन नहीं बढ़ पाता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है.

स्लिम एंड ट्रिम लुक कैरी करने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं. इसके बावजूद कुछ महिलाएं मोटापे का शिकार होने लगती हैं. तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो अपने दुबलेपन को लेकर परेशान रहती हैं. अगर आपका वजन काफी कम है तो कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स लेना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है. इन चीजों को डाइट में शामिल करके आप आसानी से वेट गेन (Weight gain tips) कर सकती हैं.

पतली और दुबली महिलाएं अक्सर अपने फिगर को लेकर टेंशन में रहती हैं. वहीं पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने के बाद भी कई बार महिलाओं का वजन बढ़ने का नाम नहीं लेता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन आपको वेट गेन करने में मदद कर सकता है. तो आइए ओन्लीमाईहेल्थ डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं वजन बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके महिलाएं खुद को फिट और हेल्दी रख सकती हैं.

प्रोटीन का सेवन करें

नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन को बॉडी का बेस्ट सप्लीमेंट माना जाता है. खासकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन में शुगर और फैट भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है, जिससे मसल्स बिल्डिंग में काफी मदद मिलती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने लगता है. ऐसे में आप पनीर, फुल क्रीम मिल्क, दही और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल कर सकती हैं. साथ ही चिकन, अंडा, लाल मीट, मिल्क पाउडर और प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों से आप आसानी से वेट गेन कर सकती हैं.

फैट रिच डाइट लें

वजन बढ़ाने के लिए महिलाएं फैट से भरपूर चीजों को भी डाइट में एड कर सकती हैं. ऐसे में घी, मक्खन, नट्स और गुड फैट से भरपूर चीजों का सेवन करना महिलाओं के लिए बेस्ट होता है. इससे शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ती है और महिलाओं के वजन में भी इजाफा देखने को मिलने लगता है.

कार्बेहाइड्रेट युक्त चीजें खाएं

कार्बेहाइड्रेट से भरपूर चीजें बॉडी में कैलोरी इन टेक को बढ़ावा देती हैं. जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है. ऐसे में वेट गेन करने के लिए महिलाएं आलू, शकरकंद, ओट्स, ग्रेन और ब्राउन राइस का सेवन कर सकती हैं. वहीं घी और बटर से युक्त चीजें खाने से भी वेट गेन फास्ट होने लगता है.

वजन ना बढ़ने के कारण

महिलाओं में वजन ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं. दरअसल कई बार महिलाओं के शरीर में न्यूट्रिएंट्स पूरी तरह से एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं, जिसके चलते हेल्दी डाइट लेने के बावजूद महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी देखने को मिलती है और उनका वजन कम रहता है. इसके अलावा इंफ्लेमेटरी डिजीज, ऑटोइम्यून डिजीज और हाइपोथायरॉयडिजम के चलते भी महिलाओं का वजन नहीं बढ़ता है।

महिला सशक्तिकरण में पुरुषों का योगदान जरूरी

प्रो. मनोज डोगरा

प्रत्येक पुरुष को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए महिलाओं के उत्थान व विकास में अपनी भूमिका सिद्ध करनी चाहिए तथा अपना शत-प्रतिशत योगदान महिलाओं के विकास व उत्थान में देना चाहिए ताकि महिलाएं अकेला महसूस न करें'

भारत एक ऐसा देश है जहां देश की भूमि की कल्पना ही एक नारी अर्थात भारत मां के रूप में की जाती है और भारत माता के रूप में ही पूजा भी जाता है। ऐसा राष्ट्र व समाज जहां प्राचीन समय से ही नारी की देवी के रूप में पूजा की जाती है तथा नारी को देवतुल्य समझा जाता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त का पहिया घूमा, समाज में देवी रूपी महिलाओं को हाशिए पर लाकर खड़ा कर दिया, चाहे वो महिलाओं के प्रति अत्याचार हो, अपराध हो या दहेज के लिए शोषण हो। इन धारणाओं से समाज में महिला सशक्तिकरण की आवाज आज बुलंद हुई है। इसमें सबसे विशेष तो यह है कि सशक्तिकरण तो महिलाओं का होना है, लेकिन इसमें अहम भूमिका पुरुषों ने निभानी है। यह भूमिका एक पुरुष बतौर पिता, पुत्र, भाई, पति व मित्र इत्यादि के रूप में निभाएंगे। अगर पुरुष इन भूमिकाओं की अदायगी एक आदर्श रूप में करें तो स्वतः ही महिलाओं के जीवन स्तर में उत्थान व विकास तीव्र गति से होगा। लेकिन महिलाओं को भी अपने लिए सशक्त होने की आवश्यकता है। कुछ महिलाएं अपने घर तक ही सीमित रहती हैं, लेकिन जब एक पुरुष उस महिला को शक्ति प्रदान कर उसके साथ चलता है तो स्थिति में बदलाव आता है। इस स्थिति को सही मायने में सशक्तिकरण का नाम दिया जाता है। महिलाएं परिस्थितियों के आगे नतमस्तक होकर अपने सम्मान, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार तक को त्यागने लग जाती हैं, लेकिन इन परिस्थितियों में भी उसका साथ देने के लिए कोई खड़ा होता है तो एक पिता होता है व एक पुत्र होता है या फिर एक शिक्षक होता है।

समाज में रूढ़िवादी सोच का पिटारा सिर पर लिए घूमते बहुत लोग नजर आएंगे, लेकिन उसी समाज में ऐसे भी लोग हैं जो महिलाओं के प्रति सम्मान और बराबरी की सोच रखते हैं। आज हर जगह चाहे वह गांव हो या शहर, प्रत्येक जगह महिला सशक्तिकरण की चर्चा होती है, लेकिन जिस गति से सुधार की परिकल्पना की जाती है, वैसा सुधार अभी तक देखने को नहीं मिलता। महिलाएं सामाजिक परिवेश में विभिन्न भूमिकाएं निभाती हैं। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि समाज उन्हें नजरअंदाज करता है। लेकिन समाज में साथ देने वाले लोग होंगे तो भारतीय समाज पर सकारात्मक प्रभाव पडना तय है, जिससे नारी सशक्तिकरण अवश्य होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में कुल आबादी की 48.1 फीसदी आबादी महिला आबादी है। जब देश की आधी आबादी संकट में हो तो शेष आबादी का यह कर्तव्य बनता है कि वे चुप न बैठकर इनके उत्थान व विकास में अपना योगदान दें। पुरुषों के महिला सशक्तिकरण के प्रति दृष्टिकोण को उदार बनाना अत्यंत आवश्यक है। समाज के अधिकांश पुरुष महिलाओं के विकास हेतु अपना शत-प्रतिशत योगदान दे रहे हैं तथा पहले भी दिया है। इनमें राजा राममोहन राय, दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी इत्यादि महान पुरुष हैं जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य किया है। इसी श्रेणी में स्वामी विवेकानंद व गुरु नानक देव जी का भी नाम शामिल है। इन्होंने महिला समानता जैसे विषयों को समाज के समक्ष उजागर किया था तथा महिला व पुरुष को एक बराबर अधिकार देने की बात कही थी। महिला सशक्तिकरण की बात तो की जाती है, लेकिन इसी के साथ महिलाओं की सुरक्षा की व्यवस्था सामने उजागर हो जाती है कि महिलाएं देश में आज कितनी सुरक्षित हैं।

लंबे समय से समाज के अधिकांश पुरुष महिलाओं के विकास हेतु अपना शत-प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। वे महिलाओं के लिए एक ऐसा स्वछंद माहौल प्रदान कर रहे हैं जिसमें महिलाएं अपने पंखों को खोल सकें और ऊंची उड़ान भर सकें। वर्तमान की बात करें तो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनेक ऐसी योजनाओं का शुभारंभ किया गया है जिनसे महिलाओं में खुशी की लहर व एक नई उमंग व सुरक्षा का भाव देखने को मिलता है। चाहे वो तीन तलाक जैसे विषय पर कानून बनाना हो, सुकन्या समृद्धि योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, जिनसे राष्ट्र की महिलाओं के जीवन स्तर में अनेक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं। आधुनिक समय में फिल्मों के जरिए भी महिलाओं के विषयों पर चर्चा हो रही है। पिंक टॉयलेट, बेगम जान, गुलाबी गैंग व बैंडिट क्वीन जैसी फिल्मों ने भारतीय समाज को आईना दिखाया है तथा महिलाओं के हितों व समस्याओं को समाज के समक्ष रखा है। वर्तमान का समय एक ऐसा समय है जिसमें महिलाएं हर क्षेत्र में अपना शत-प्रतिशत योगदान दे रही हैं, चाहे वह सेना का क्षेत्र हो, प्रशासनिक सेवा में सेवाएं देना हो, ग्रामीण विकास हो, शिक्षा क्षेत्र हो या फिर राजनीति का क्षेत्र हो। एक सुई बनाने से लेकर हवाई जहाज निर्माण तक का कार्य महिलाएं कर रही हैं। यहां तक कि हवाई जहाज भी आज की महिलाएं उड़ा रही हैं। देश के सर्वोच्च पद पर महामहिम राष्ट्रपति जी एक महिला हैं। साथ ही देश की आर्थिकी को एक महिला संभाल रही है। इसके बावजूद कहना होगा कि समाज द्वारा तब भी उन्हें कमजोर समझा जाता है।

उन्हें नजरअंदाज किया जाता है। उन्हें उपयोग की वस्तु समझा जाता है, जो कि सरासर गलत है। समाज के प्रत्येक पुरुष को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए महिलाओं के उत्थान व विकास में अपनी भूमिका सिद्ध करनी चाहिए तथा अपना शत-प्रतिशत योगदान महिलाओं के विकास व उत्थान में देना चाहिए ताकि महिलाएं स्वयं को अकेला महसूस न करें और खुद को समाज का हिस्सा समझें। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की ऐसी विचारधारा होगी तो महिलाओं के उत्थान व विकास की बातें करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि यह स्वतः ही संभव हो जाएगा। केवल 8 मार्च को महिला दिवस आयोजित करके नारी का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता है। नारी परिवार का वो दर्पण है जो सैकड़ों पीढियों को शिक्षा प्रदान करती है। लेकिन आज वर्तमान परिवेश में नारी के महत्व को कम समझा जाता है। भले ही नारी सुरक्षा हेतु देश में अनेक कानून हों, लेकिन श्रद्धा कांड, निर्भया कांड, गुडिया कांड, हाथरस की घटना जैसे घिनौने अपराध समाज में महिलाओं के प्रति देखने को मिलते हैं। इस स्थिति को सुधार कर ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

महिलाओं में 5 बीमारियों को देता है दावत मोटापा, समय रहते कर लें कंट्रोल, वरना हो सकते हैं गंभीर परिणाम

आजकल खराब लाइफस्टाइल और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण अधिकतर पुरुष-महिलाएं वजन बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं. यदि वजन बढ़ने को समय रहते कंट्रोल ना कर लिया जाए, तो आप मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं. मोटापा कई बीमार को जन्म देता है. वजन बढ़ने की समस्या महिलाओं में भी अधिक देखी जाती है. दरअसल, हाउस वाइफ में वजन बढ़ने की समस्या अधिक देखी जाती है, क्योंकि ये घर के काम में तो व्यस्त रहती हैं, लेकिन शरीर को फिट रखने और बॉडी वेट को बनाए रखन के लिए शारीरिक रूप से एक्टिव नहीं रहती हैं. यदि आप घर पर रहेंगी, एक्सरसाइज नहीं करेंगी, चलना-फिरना कम होगा तो वजन बढ़ सकता है. एक बार आप मोटापे की शिकार हो गईं तो कई तरह की गंभीर बीमारियां आपको जकड़ सकती हैं.

मोटापा के कारण

वुमेंसहेल्थ डॉट जीओवी के अनुसार, ओबेसिटी या मोटापे की समस्या तब शुरू होती है, जब शरीर समय के साथ उपयोग की तुलना में कैलोरी को अधिक मात्रा में जमा करता है. आपके शरीर को ठीक से काम करने और सक्रिय रहने के लिए कैलोरी और आवश्यक विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है, लेकिन अगर आपका शरीर उपयोग की तुलना में अधिक कैलोरी जमा करता है, तो आपका वजन बढ़ने लगता है. यदि बढ़ते वजन पर समय रखते ना कंट्रोल किया जाए तो यह मोटापे का रूप ले सकता है. आप बॉडी मास इंडेक्स (BMI) का इस्तेमाल करके ये जान सकती हैं कि आपका वजन अधिक है या फिर मोटापे से ग्रस्त हो चुकी हैं. बीएमआई हे हेल्दी और अनहेल्दी रेंज का पता चलता है. यह एक ऐसा टूल है, जो बॉडी फैट का सही से अनुमान लगाता है. इसका पता आपको बीएमआई कैल्कुलेटर से चल सकता है.

– 25 से 29.9 बीएमआई होने का मतलब है कि आपका वजन अधिक है.

– 30 या उससे अधिक बीएमआई होने का मतलब है कि आप मोटापे से ग्रस्त हैं.

महिलाओं में वजन बढ़ने के खतरे

एनडीटीवी डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, यदि आप लंबी उम्र तक स्वस्थ रहना चाहती हैं तो वजन को काबू में रखना होगा. वजन बढ़ने से मोटापे से ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है. हेल्दी डाइट लेने और प्रत्येक दिन एक्सरसाइज करने से बढ़ते वजन को कंट्रोल करना संभव है. अत्यधिक वजन होने से महिलाओं की सेहत पर नेगेटिव असर पड़ता है. यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है. मूड प्रभावित होता है. पल्मोनरी फंक्शन सही नहीं रहती है. बढ़ता वजन आपको कई तरह की गंभीर बीमारी दे सकता है जैसे डायबिटीज, हार्ट डिजीज, ब्रेस्ट कैंसर, पीओएस, प्रेग्नेंसी, गठिया, से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. मोटापा गुणवत्ता और जीवन काल को कम कर सकता है.

मोटापा के रिस्क फैक्टर्स

मोटापा मुख्य रूप से जेनेटिक्स, उम्र, हॉर्मोनल बदलाव, प्रेग्नेंसी के दौरान वजन बढ़ना, पीसीओएस डिसऑर्डर आदि के कारण हो सकता है. शुरुआत से ही वजन को कंट्रोल में रखने के उपायों को अपनाकर आप काफी हद तक मोटापे से ग्रस्त होने से बच सकती हैं.

अत्यधिक वजन और मोटापा को कंट्रोल करने के उपाय

-आप प्रतिदिन हेल्दी डाइट लेकर और कैलोरी का इनटेक घटाकर बढ़ते वजन को काबू में रख सकती हैं. महिलाओं को एक दिन में लगभग 1200 से 1500 कैलोरी लेनी चाहिए. लो-कैलोरी डाइट जो हेल्दी और पोषक तत्वों से भरपूर हो वह आपको हेल्दी रखने में कारगर साबित हो सकते हैं.

-यदि आपका वजन बढ़ रहा है, बावजूद इसके आप एक्सरसाइज नहीं करती हैं तो यह आपके लिए ठीक नहीं. वजन को कंट्रोल में रखने के लिए आप सप्ताह में पांच दिन 30 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें. अधिक देर तक बैठे रहने, लेटे रहने की आदत को दूर करें. प्रत्येक 20 मिनट में 3 से 5 मिनट तक चल-फिर लें. स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें. इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर बना रहेगा.

-आप इंटरमिटेंट फास्टिंग का सहारा ले सकती हैं. इसके लिए किसी डाइटिशियन से सलाह लें. साथ ही खुद को हाइड्रेटेड बनाए रखें. रात में सोने से पहले शुगरी ड्रिंक, कैफीन का सेवन ना करें. जंक फूड, शुगरी स्नैक्स, फ्राइड फूड कम खाएं और हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, अनाज, लीन प्रोटीन जैसे चिकन, फिश, बींस, सोया का अधिक सेवन करें.

कार्डियक अरेस्ट आने के बाद एक टेक्नीक से बाल-बाल बची ब्रिटनी विलियम्स की जान, अपनी स्टोरी शेयर कर कही, ना करें 2 संकेतों को इग्नोर

कार्डियक अरेस्ट आने पर सीपीआर तुरंत दे दिया जाए तो पीड़ित की जान बचाई जा सकती है.कार्डियक अरेस्ट आने पर सीपीआर तुरंत दे दिया जाए तो पीड़ित की जान बचाई जा सकती है.

आज लोगों में कार्डियक अरेस्ट के मामले बहुत तेजी से सामने आ रहे हैं. कम उम्र में ही पुरुष हों या महिलाएं, हर कोई हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट जैसी गंभीर समस्या का शिकार हो रहा है. कार्डियक अरेस्ट के लक्षणों को समय पर ना पहचान पाने के कारण लोग अपनी जान गंवा रहे हैं. हालांकि, ब्राजील की रहने वाली ब्रिटनी विलियम्स नाम की महिला की किस्मत इस मामले में अच्छी साबित हुई थी. मात्र 24 वर्ष की उम्र में ब्रिटनी को कार्डियक अरेस्ट आया था. वह अचानक बेहोश हो गई थीं और आनन-फानन में उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. दो दिनों के बाद जब उन्हें होश आया तो पता चला कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था.

टूडे डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, मात्र 24 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण ब्रिटनी विलियम्स की जान जाने ही वाली थी. यह घटना वर्ष 2014 की है. पूरे 9 वर्ष बाद ब्रिटनी ने अपनी कार्डियक अरेस्ट के दौरान हुई स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित जानकारी टुडे शो में एक इंटरव्यू के दौरान साझा की है. ब्रिटनी ने शो में उन लक्षणों के बारे में भी बताया, जिसे उन्होंने नज़रअंदाज़ कर दिया था. जब ब्रिटनी को कार्डियक अरेस्ट आया था, तो उस दौरान उन्हें कोई भी लक्षण महसूस नहीं हुए. अचानक वो बेहोश हो गईं. इंटरव्यू में वो बताती हैं कि यदि उन्हें तुरंत वहां मौजूद लोगों ने सीपीआर ना दिया होता तो आज वो जिंदा नहीं होती. ब्रिटनी ने शो में सीपीआर ट्रेनिंग लेने के महत्व पर भी जोर दिया.

कार्डियक अरेस्ट के संकेत

कार्डिएक अरेस्ट तब होता है, जब एलेक्ट्रिकल प्रॉब्लम के कारण हृदय की मांसपेशियां खराब हो जाती हैं, जिससे दिल का धड़कना अचानक बंद हो जाता है. सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (यूएस) के अनुसार, लगभग 90% लोग जिन्हें हॉस्पिटल के बाहर कार्डियक अरेस्ट आता है, उनकी मौत हो जाती है. यदि सही समय पर पीड़ित को सीपीआर दे दिया जाए तो काफी हद तक जान बचाई जा सकती है. इसके लिए सीपीआर देने के बाद तुरंत ही दिल को सामान्य लय में वापस लाने के लिए डिफाइब्रिलेटर का उपयोग भी करना चाहिए. लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट को एक समझने की गलती कर बैठते हैं. हार्ट अटैक तब आता है, जब हार्ट में ब्लॉकेज हो. हालांकि, हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट बिना किसी वॉर्निंग साइन के आ सकता है. लेकिन, ब्रिटनी ने कुछ लक्षणों को इग्नोर करने की भूल की जो उन्हें कार्डियक अरेस्ट आने से पहले महसूस हुए थे.

ब्रिटनी ने किया इन लक्षणों को नजरअंदाज

ब्रिटनी ने इंटरव्यू में कहा कि जब वह काम पर थीं, तब शरीर के बाईं ओर सुन्नपन, झुनझुनी और सनसनी जैसे लक्षणों को महसूस किया था. इलाज करने के बाद पता

चला कि ब्रिटनी लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम (QT syndrome) से ग्रस्त थीं. यह एक ऐसी समस्या है, जिसमें हार्टबीट तेज और अनियमित हो जाता है. अधिकतर लोग लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम से ग्रस्त होते हैं. कई बार यह दवाओं के कारण भी हो सकता है. अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं. कई बार इसे सीजर (seizure) या मिर्गी समझ लिया जाता है. इसका इलाज दवाओं और जीवनशैली में बदलाव लाकर किया जाता है.

कार्डियक अरेस्ट के कॉमन लक्षण

अचानक बेहोश होकर गिर जाना
नाड़ी का रुक जाना
सांस का रुकना
कार्डियक अरेस्ट आने से पहले सीने में तकलीफ
सांस लेने में तकलीफ महसूस करना
कमजोरी महसूस करना
दिल का तेजी से धड़कना

इस तरह के लक्षण यदि आपको कभी भी नजर आएं, तो भूलकर भी इंग्नोर ना करें. ये कार्डियक अरेस्ट आने से पहले के संकेत हो सकते हैं. अक्सर लोग इन लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं जैसा कि ब्रिटनी के मामले में हुआ. ब्रिटनी ने भी कार्डियक अरेस्ट आने से पहले शरीर में सुन्नपन, झुनझुनी या सनसनी जैसे लक्षण महसूस किए थे, लेकिन उसने लोगों की कही हुई बातों के आधार पर इन लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर दिया था.

कार्डियक अरेस्ट में सीपीआर का महत्व

जब भी किसी को कार्डियक अरेस्ट आता है तो बहुत जरूरी है कि उसके पास तुरंत कोई मेडिकल हेल्प पहुंच जाए. कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर (CPR) ऐसे में लाभ पहुंचाता है. कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन हार्ट को कम्प्रेशन देकर एक विद्युत आवेग बनाने में मदद कर सकता है, जिससे हृदय दोबारा से पंप करने लगता है. ऐसे में आज हर किसी को सीपीआर देने की टेक्नीक को सीखना बेहद जरूरी है, ताकि जरूरत पड़ने पर आप पीड़ित की जान बचाने में सफल हो सकें. ब्रिटनी विलियम्स भी अब कुछ ऐसा ही करने में जुटी हुई हैं, ताकि उन्हीं की तरह दूसरे लोगों की भी जान बच सके.

तिहाड़ जेल के पूर्व जेल अधीक्षक के खिलाफ होगी सीबीआई जांच

आप के इस बड़े नेता के इशारे पर 10 करोड़ की उगाही का आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के उपराज्यपाल ने तिहाड़ जेल के तत्कालीन जेल अधीक्षक राज कुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी। दिल्ली के पूर्व जेल मंत्री सत्येंद्र जैन के इशारे पर राज कुमार पर ठग सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की उगाही का आरोप है। आरोप है कि राज कुमार तिहाड़ जेल से सत्येन्द्र जैन और संदीप गोयल द्वारा चलाए जा रहे जबरन वसूली सिंडिकेट का हिस्सा था।

नई दिल्ली। एलजी वीके सक्सेना ने तिहाड़ जेल में कारागार संख्या चार के तत्कालीन जेल अधीक्षक राजकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (पीओसी) अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी है। राजकुमार पर सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की वसूली करने में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन की मदद करने का आरोप है।

जबरन वसूली रैकेट में की मदद

सुकेश तब तिहाड़ जेल में बंद थे। राजकुमार ने कथित तौर पर तिहाड़ जेल से चलाए जा रहे हाई प्रोफाइल जबरन वसूली रैकेट में मदद की, जिसके तहत प्रोटेक्शन राशि के रूप में चंद्रशेखर से बड़ी राशि ली गई, ताकि वह जेल में शांति और आराम से रह सके। इस मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। सीबीआई ने दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय (डीओवी) के माध्यम से अभियोजन की मंजूरी के लिए एलजी से अनुरोध किया गया, जो इस मामले में सक्षम प्राधिकारी हैं।

जबरन वसूले 10 करोड़ रुपये

सुकेश का आरोप है कि जैन ने 2018-21 के दौरान उससे व्यक्तिगत रूप से या राज कुमार और अपने सहयोगियों के माध्यम से सुरक्षा राशि के रूप में किश्तों में जबरन 10 करोड़ रुपये वसूले थे, ताकि वह दिल्ली की विभिन्न जेलों (तिहाड़, रोहिणी और मंडोली) में शांति और आराम से रह सके। इन आरोपों की जांच सीबीआई कर रही है। राजकुमार, संदीप गोयल का करीबी सहयोगी था और उसने चंद्रशेखर से पैसे वसूलने में उसकी मदद की थी।

गोयल और मुकेश पर भी ये आरोप

यहां तक कि उसने खुद भी पेटीएम के माध्यम से ठग से पैसे वसूलने की कोशिश की थी। गोयल और मुकेश प्रसाद पर सुकेश चंद्रशेखर से 2019-22 के दौरान किस्तों में 12.50 करोड़ रुपये प्राप्त करने का भी आरोप है। जैन, गोयल, प्रसाद और कुमार पर सार्वजनिक सेवकों के रूप में अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग करते हुए सुकेश चंद्रशेखर और दिल्ली की जेलों में बंद अन्य हाई-प्रोफाइल कैदियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप है।

शूटआउट एट सैलून: डबल मर्डर से दहली दिल्ली, बेखौफ बदमाशों ने बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

दिल्ली के नजफगढ़ में शुक्रवार को दो लोगों युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि इंद्रा पार्क पिलर नंबर 80 सैलून में एक लड़के को गोली मार दी गई। वहीं मोहन गार्डन थाने में बंदूक की गोली से घायल हुए दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुई थी।

बाहरी दिल्ली। नजफगढ़ में शुक्रवार को दो लोगों युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग एक सैलून में हुई थी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि नजफगढ़ थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी, जिसमें कॉलर ने बताया कि इंद्रा पार्क, पिलर नंबर 80, सैलून में एक लड़के को गोली मार दी गई। वहीं, मोहन गार्डन थाने में बंदूक की गोली से घायल हुए दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर सोनू और आशीष नाम के दोनों लोगों की चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और एफएसएल टीमों को लगाया गया है।

रात में 12 बजे मिठाई का डिब्बा लेकर पहुंचा युवक, पुलिस ने खोलकर देखा तो खिसक गई जमीन

अवैध हथियारों का सप्लायर सोनू आठ फरवरी की रात इटावा से अवैध पिस्टल लेकर दिल्ली में सप्लाई करने के लिए आनंद विहार बस अड्डे पर आएगा। इसको लेकर दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी। रात करीब 12 से 1230 के बीच आनंद विहार बस अड्डे पर पहुंच जाएगा। उसके पास से दो गत्ते के मिठाई के डब्बे मिले।

नई दिल्ली। मिठाई का डिब्बा देखते ही मन में विचार आता है कि इसके अंदर मीठा ही होगा। मगर जब डिब्बा खुलते ही उसमें अत्याधुनिक पिस्टल के साथ कारतूस दिखाई दे तो चौंकना स्वाभविक है। कुछ इसी तरह बृहस्पतिवार-शुक्रवार की रात को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा (Crime Branch) की टीम भी चौंक गई। जब आनंद विहार बस अड्डे के बाहर मिठाई के डिब्बे में रखकर अवैध पिस्टल और कारतूस सप्लाई करने वाला टीम के हत्थे चढ़ा।

दिल्ली में करता था सप्लाई: आरोपी के पास से मिठाई के दो डिब्बों में दो अत्याधुनिक पिस्टल व 40 कारतूस बरामद हुए है। आरोपी की पहचान नई दिल्ली के रघुबीर नगर निवासी राहुल कुमार उर्फ सोनू के रूप में हुई है। आरोपी उप्र के इटावा से लाकर बदमाशों को अवैध पिस्टल सप्लाई करता है।

रात में बस अड्डे पर पहुंचा युवक: दिल्ली पुलिस अपराध शाखा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इटावा से लाकर दिल्ली में अवैध पिस्टल सप्लाई करने वाला हथियारों का सप्लायर सोनू आठ फरवरी की रात इटावा से अवैध पिस्टल लेकर दिल्ली में सप्लाई करने के लिए आनंद विहार बस अड्डे पर आएगा। वह इटावा से बस में बैठकर आ रहा है और रात करीब 12 से 12:30 के बीच आनंद विहार बस अड्डे पर पहुंच जाएगा।

गत्ते के मिले दो मिठाई के डिब्बे: इसके बाद टीम मुखबिर को साथ लेकर आनंद विहार बस अड्डे पहुंची और अड्डे के बाहर तैनात रही। रात में लगभग 12:38 बजे पुलिस टीम ने आरोपी को धर दबोचा। आरोपी के बैग की जांच की गई तो उसमें से इटावा के मशहूर हलवाई के नाम के दो गत्ते के मिठाई के डब्बे मिले। जब टीम ने डिब्बों को खोलकर देखा तो दोनों से एक एक अत्याधुनिक पिस्टल और 20-20 कारतूस बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह बदमाशों को पिस्टल सप्लाई करता है। यह पिस्टल उसे राहुल सट्टे वाले को देनी थी, जिसे पहले भी उसने दो पिस्टल दी हुई हैं। पुलिस इस अपराध में संलिप्त लोगों की तलाश में जुटी है।

राबड़ी देवी, मीसा और हेमा को कोर्ट से मिली राहत, अगली सुनवाई तक अंतरिम जमानत

केस में सुनवाई के चलते आज बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी उनकी बेटी मीसा भारती और हेमा यादव शुक्रवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। यहां सुनवाई के दौरान तीनों को अदालत ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने अगली सुनवाई तक तीनों को अंतरिम जमानत दे दी है। इस मामले में लालू यादव का पूरा परिवार फंसा हुआ है।

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में फंसे पूर्व रेल मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों को दिल्ली को कोर्ट ने बड़ी राहत प्रदान की है।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव को अंतरिम जमानत दे दी है।

अदालत ने तीनों को एक-एक लाख के निजी मुचलके पर जमानत दी है। कोर्ट ने इस मामले की अगली तारीख 28 फरवरी तय की है। अदालत ने इस मामले में आरोपियो की नियमित जमानत के लिए ईडी से जवाब मांगा है।

व्हील चेयर से अदालत पहुंचीं मीसा भारती

आज सुनवाई के दौरान पूर्व सीएम राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती राउज एवेन्यू कोर्ट में मौजूद रहे। इस दौरान मीसा भारती व्हील चेयर से कोर्ट पहुंची थीं।

क्या है Land For Job Scam

लालू प्रसाद और उनके परिवार पर आरोप है कि रेलवे में चतुर्थ श्रेणी में नौकरी देने के एवज में उन्होंने बिहार में कई लोगों की जमीन औने-पौने दामों में खरीद ली। करीब दर्जन भर लोगों से जमीन लेकर उन्हें रेलवे में बगैर विज्ञापन प्रकाशित कराए नौकरियां दी गईं।

मामला प्रकाश में आने के बाद सीबीआइ ने पहले इसकी जांच प्रारंभ की थी। सीबीआइ की प्राथमिकी और उसके मिले साक्ष्यों को आधार बनाकर बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच प्रारंभ की और कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया है। जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है।

दिल्ली में इन लोगों को नहीं देना पड़ेगा पानी का बिल, सीएम केजरीवाल ने किया बड़ा ऐलान

अरविंद केजरीवाल ने द्वारका सेक्टर एक के सरकारी स्कूल भवन का शिलान्यास करने के दौरान कहा कि इस प्लॉट पर पहले कूड़ा पड़ा रहता था। अब यहां पर कूड़ा नहीं राष्ट्र निर्माण का काम होगा बच्चों का भविष्य बनेगा। उन लोगों को बिल जमा करने की जरूरत नहीं है जिनका कोरोना के समय गलत रीडिंग आ गया था।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वासियों के लिए बड़ा एलान किया है। लोगों को ग़लत पानी के बिल की समस्या से छुटकारा मिलेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार जल्द ही वन टाइम वाटर बिल सेटलमेंट स्कीम ला रही है। इसका प्रस्ताव जल्दी ही कैबिनेट में लाया जाएगा।

दिल्ली में सबसे कम महंगाई- केजरीवाल

इससे पहले बृहस्पतिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में बहुत महंगाई हो गई है। अभी केंद्र सरकार ने पूरे देश में एक सर्वे करवाया है, उसमें निकलकर आया है कि सबसे कम महंगाई दिल्ली में है, क्योंकि दिल्ली में लोगों के लिए बिजली फ्री है। पानी भी फ्री मिल रहा है। दिल्ली के अंदर शिक्षा फ्री है। तीन चार हजार रुपये बच्चों पर खर्च करने पड़ते थे वो नहीं करने पड़ रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने द्वारका सेक्टर एक के सरकारी स्कूल भवन का शिलान्यास करने के दौरान कहा कि इस प्लॉट पर पहले कूड़ा पड़ा रहता था। अब यहां पर कूड़ा नहीं, राष्ट्र निर्माण का काम होगा, बच्चों का भविष्य बनेगा। देश के किसी सरकारी स्कूल में चले जाओ, हमारी सरकार आने से पहले के स्कूलों में चले जाओ। वहां पर एक लैब नहीं होती थी।

नहीं भरना होगा पानी का बिल

उन्होंने आगे कहा कि कोरोना महामारी के दौरान कई लोगों के पानी के बिल की रीडिंग गलत हो गई, जिस वजह से गलत बिल आए। उन लोगों को बिल जमा करने की जरूरत नहीं है। बहुत जल्द नई स्कीम लेकर आ रहे हैं। सभी के सारे बिल माफ हो जाएंगे। अब अरविंद केजरीवाल ने इसको लेकर बड़ा एलान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीटीसी में महिलाओं का सफर फ्री है। बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा फ्री है। इस वजह से देश में दिल्ली में सबसे कम महंगाई है। आज कच्ची कॉलोनियां पक्की कॉलोनियों से अच्छी लग रही हैं। सड़के बनवा दी गई। पानी के कनेक्शन दे दिए गए। कई कॉलोनियों में रह गए वहां भी दिए जाएंगे।

दिल्ली में 20 साल पुराने मंदिर पर चला बुलडोजर, लोगों ने किया विरोध तो दिखाया HC का ऑर्डर

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित पार्क के पास सड़क पर बीस साल पुराना वाल्मीकि मंदिर था। यह मंदिर सरकारी जमीन पर बना था। डीडीए ने बुलडोजर से मंदिर को ध्वस्त कर दिया। वहां विरोध करने वाले लोगों को हाइकोर्ट का आदेश दिखाया गया। इसके बाद वह शांत हुए। पुलिस ने मंदिर के पास किसी को जाने की अनुमति नहीं दी।

दक्षिणी दिल्ली। मालवीय नगर में पार्क के पास सड़क पर बने वाल्मीकि मंदिर पर हाइकोर्ट के आदेश पर डीडीए का बुलडोजर चला। वहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। मंदिर के आसपास किसी को नहीं जाने दिया गया। मालवीय नगर स्थित पार्क के पास सड़क पर बीस साल पुराना वाल्मीकि मंदिर था। यह मंदिर सरकारी जमीन पर बना था। इसके बाद हाइकोर्ट ने मंदिर को तोड़ने के आदेश दिए थे। शुक्रवार की सुबह डीडीए की टीम अपने साथ पुलिस फोर्स को लेकर पहुंची। वहां मंदिर के आसपास फोर्स तैनात कर दी गई थी। जिसके बाद डीडीए ने बुलडोजर से मंदिर को ध्वस्त कर दिया। वहां विरोध करने वाले लोगों को हाइकोर्ट का आदेश दिखाया गया। इसके बाद वह शांत हुए। पुलिस ने मंदिर के पास किसी को जाने की अनुमति नहीं दी।

पार्टी के 7 विधायकों के संपर्क में है और 25 करोड़ रुपये देने की बात भी कह रही है। यह आरोप केजरीवाल

एम्स: राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त इलाज की अलग से सुविधा शुरू

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एम्स के तहत नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की इमारत में सिर्फ वरिष्ठ नागरिकों का इलाज, दवाई, तमाम टेस्ट की सुविधाए एकदम मुफ्त दी जाती हैं।

इसके लिए सिर्फ वरिष्ठ नागरिक अपने आधार कार्ड के साथ वहां जाए। यहां पर एमडी डॉक्टर सीनियर सिटीजन बुजुर्गो का पूरा विवरण लेगें और इलाज व दवाई लिखेंगें। लिखी गई दवाईयां भी फ्री में मिलेगी। अगर पेशेंट का परीक्षण/दवाएं समेत किसी सर्जरी विशेष इलाज की आवश्यकता है, जैसे आंख की जांच, मूत्रविज्ञान समस्या, उपचार के लिए बुजुर्ग पेशेंट को परेशानी से राहत देने के चलते अलग-अलग क्रिया के लिए एक ही परिसर में रैफर किया जाएगा। यहां सभी परीक्षण/दवाएं मुफ्त में दी जाती है। सीनियर सिटीजन के पंजीकरण के लिए यहां बाकायदा 6 कांउटर है ।और 10 एमडी डॉक्टर आवंटित किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की इमारत अलग से बनाई गई है। इसके लिए सफदरजंग अस्पताल के सामने पुराने एम्स ब्लॉक जो अब काम नहीं कर रहे हैं, इसके लिए साऊथ एक्सटेंशन पार्ट-2 के पीछे बने नए ब्लॉक में जाना होगा। यहां आने के लिए पूरी दिल्ली से मैट्रो सेवा के अलावा डीटीसी बस सेवाएं उपलब्ध हैं ।यहां पहुंचने के लिए राजधानी दिल्ली से महज 2 /3 घंटे में आसानी से पहुंचा जा सकता है।

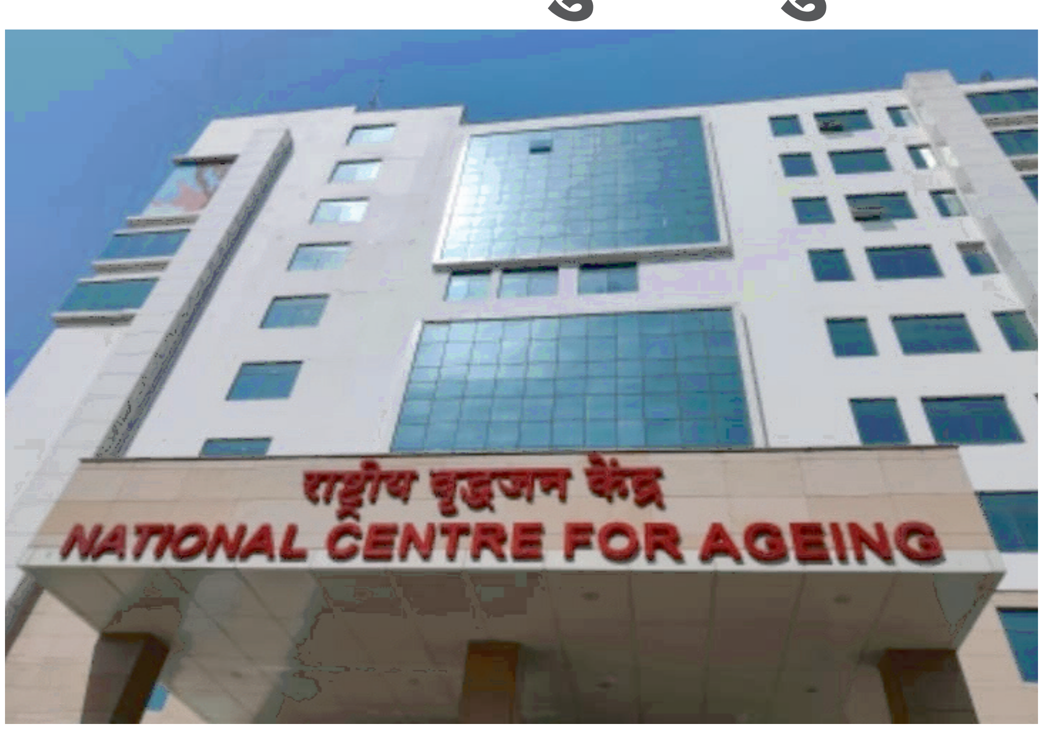

दिल्ली में आज फिर गिरा न्यूनतम पारा, कोहरे से राहत बरकरार; अगले हफ्ते से बदलेंगे मौसम के तेवर

दिल्ली-एनसीआर में बीते कुछ दिनों से भले ही दिन के समय अच्छी धूप हो ही हो लेकिन सर्द हवाओं ने मौसम को ठंडा बनाया हुआ है। ऐसा ही कुछ शुक्रवार का भी हाल है। आज सुबह दिल्ली का तापमान 6 .8 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से नीचे है। हालांकि अगले हफ्ते से मौसम के करवट लेने के अनुमान हैं।

नई दिल्ली। सर्द हवाओं के कारण शुक्रवार की सुबह दिल्ली में ठिठुरन भरी ठंड ने फिर ठिठुराया, लेकिन कोहरा नहीं दिखा। सुबह का तापमान एक दिन पहले के मुकाबले गिरकर सामान्य से तीन डिग्री नीचे दर्ज किया गया। उधर एयरपोर्ट पर दृश्यता का स्तर सामान्य रहा। मौसम विभाग ने दिन में धूप खिलने और आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान जारी किया है।

6.8 डिग्री दर्ज हुआ तापमान

शुक्रवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज हुआ। बृहस्पतिवार को यह 8.2 डिग्री रहा था। हवाओं के असर से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह सात बजे दृश्यता का स्तर ढाई हजार मीटर रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिन में आसमान साफ रहेगा। धूप भी खिली रहेगी। अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री रह सकता है।

तेज हवा चलने से प्रदूषण से मिली राहत

दूसरी तरफ तेज हवाओं के असर से शुक्रवार को भी दिल्लीवासियों को प्रदूषित हवा से मिली राहत बनी रही। सुबह 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 137 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है।

धीरे-धीरे बढ़ेगा दिल्ली का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार अब तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को आकाश साफ रहेगा। सुबह में हल्की धुंध होगी। अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह 13 फरवरी को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है।

फेक न्यूड वीडियो अपलोड करने की धमकी देकर छह लाख रुपये की ठगी

गुरुग्राम वेस्ट निवासी एक व्यक्ति की फेक न्यूड वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर उससे छह लाख रुपये ठगी कर लिया। पीड़ित की शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को बुधवार रात धर दबोचा। साइबर पुलिस ने बताया कि उसके साथ धमकी देकर छह लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है।

गुरुग्राम। साइबर ठगों ने गुरुग्राम वेस्ट निवासी एक व्यक्ति की फेक न्यूड वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर उससे छह लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को बुधवार रात धर दबोचा।

साइबर पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने बीते दिनों साइबर थाना पश्चिम में शिकायत दी थी कि उसके साथ धमकी देकर छह लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। इस पर टीम ने आरोपित को गुरुग्राम से पकड़ लिया। आरोपित की पहचान नूंह के गांव बूबलहेरी निवासी आस मोहम्मद के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सेक्सटोर्शन की वारदात को अंजाम देता था।

साइट्स पर अपलोड करने की धमकी देकर ठगी

ये लोगों को उनकी न्यूड वीडियो विभिन्न इंटरनेट मीडिया साइट्स पर अपलोड करने की धमकी देकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। इसकी एक महिला साथी आनलाईन जॉब दिलाने के नाम पर लोगों के बैंक खाते खुलवाने के लिए डाक्यूमेंट ले लेती थी, जिससे ये बैंक खाता खुलवाकर बैंक खात की किट अपने पास रख लेते थे और ठगी गई राशि को इन बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। आगामी पूछताछ व बरामदगी के लिए आरोपित को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

गुरुग्राम में जल्द नियमित होंगी 25 कॉलोनियां

सर्वे कराने के लिए नगर निगम ने शुरू की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने प्रदेश में 1200 से ज्यादा अवैध कॉलोनियां नियमित करने की योजना बनाई थी। गुरुग्राम नगर निगम के दायरे में 103 कॉलोनियों को नियमित करने का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया था। 13 कॉलोनियों को नियमित किया जा चुका है और 25 कॉलोनियों के भी जल्द नियमित होने की उम्मीद है। 103 में से मात्र 38 कॉलोनियां मानकों को पूरा नहीं कर रही हैं।

गुरुग्राम। शहर में अवैध कॉलोनियों का सर्वे किया जाएगा। नगर निगम गुरुग्राम ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी महीने एक निजी एजेंसी को सर्वे का काम सौंपा जाएगा। सर्वे में पता लगाया जाएगा कि कॉलोनियों का क्षेत्र निगम में है या नहीं, इसके साथ ही यह कॉलोनियां नियमित होने के मानकों को पूरा कर रही है या नहीं। कुल 294 कॉलोनियों का सर्वे करने की योजना है।

13 कॉलोनियां हो चुकी हैं नियमित

बता दें कि सरकार ने प्रदेश में 1200 से ज्यादा अवैध कॉलोनियां नियमित करने की योजना बनाई थी। गुरुग्राम नगर निगम के दायरे में 103 कॉलोनियों को नियमित करने का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया था। इनमें से कुल 38 कॉलोनियां मानकों को पूरा कर रही हैं, जिसमें से 13 कॉलोनियों को नियमित किया जा चुका है तथा शेष 25 कॉलोनियों के भी जल्द नियमित होने की उम्मीद है। मानेसर नगर निगम क्षेत्र की भी तीन अवैध कॉलोनी को सरकार द्वारा नियमित किया गया था।

मूलभूत सुविधाएं दी जाएगी

नियमानुसार अवैध कॉलोनियों में गुरुग्राम नगर निगम की ओर से सड़क, सीवर, पेयजल और स्ट्रीट लाइट सहित अन्य सुविधाएं देने का प्रविधान नहीं है। कॉलोनियों के नियमित होते ही नगर निगम सुविधाएं देगा, जिससे इन कॉलोनियों के लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। कॉलोनी के नियमित होने के बाद निगम द्वारा इनमें मूलभूत सुविधाएं दी जाती है जिसकी एवज में निगम वहां के निवासियों से डेवलपमेंट चार्ज यानी विकास शुल्क वसूलता है।

कॉलोनियों को लेकर संशय बरकरार

मुख्यालय से सीएम द्वारा कॉलोनियों नियमित करने की घोषणा की गई थी, लेकिन फिलहाल इसकी अधिसूचना मानेसर और गुरुग्राम नगर निगम में नहीं पहुंची है। लोगों में अपनी कॉलोनियों के नियमित होने को लेकर संशय बरकरार है।

शहर में अवैध कॉलोनियों को लेकर सर्वे किया जाना है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसी महीने सर्वे का काम सौंप दिया जाएगा।
– सुमित मलिक, डीटीपी नगर निगम गुरुग्राम

वेव सिटी कॉलोनी में दिखा तेंदुआ, वन विभाग ने शुरू किया सर्च अभियान

गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र की वेव सिटी कॉलोनी के सेक्टर पांच में तेंदुआ दिखने की बात सामने आई है। इसका एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए सामाजिक वानिकी के प्रभागीय निदेशक मनीष सिंह ने दो टीम मौके पर भेजी है और तेंदुआ सर्च करने का अभियान शुरू कर दिया गया है।

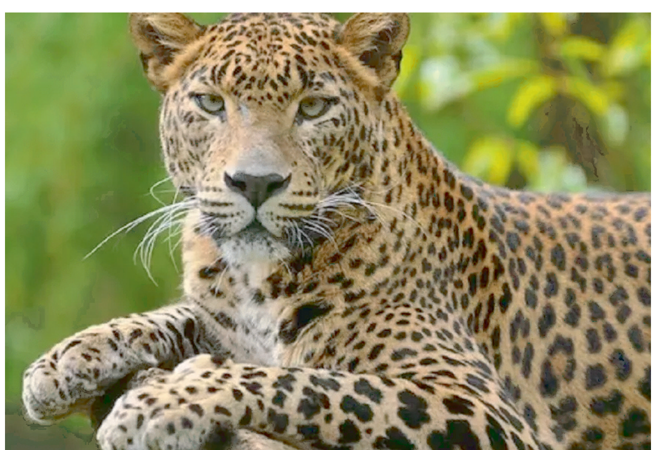

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र की वेव सिटी कॉलोनी के सेक्टर पांच में तेंदुआ दिखने की बात सामने आई है। इसका एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए सामाजिक वानिकी के प्रभागीय निदेशक मनीष सिंह ने दो टीम मौके पर भेजी है और तेंदुआ सर्च करने का अभियान शुरू कर दिया गया है। पिछले कई दिनों से इस क्षेत्र में तेंदुआ दिखने की बात लोग कह रहे हैं।

विभाग ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। विभाग का कहना है कि सर्च ऑपरेशन के बाद ही पता चलेगा कि तेंदुआ है या फिर कोई और जंगली जानवर घूम रहा है। इंटरनेट पर प्रसारित वीडियो में तेंदुआ द्वारा एक कुत्ते को मारने का मामला दिख रहा है।

तमंचे से माथे में गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या, बेड पर पड़ा मिला शव

वह एक सीए के पास काम करते थे। दो दिन से वह फोन नहीं उठा रहे थे। शुक्रवार को उनके बहन और भाई बिहार से यहां पहुंचे। पुलिस मौके पर पहुंची और स्वजन के सामने दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखा तो विकास का शव बेड पर पड़ा हुआ था। पुलिस अंदेशा जता रही है कि फंदा लगाकर आत्महत्या नहीं कर पाने पर तमंचे से गोली मारी होगी।

साहिबाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वैशाली सेक्टर छह में युवक ने तमंचे से माथे में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। फोन नहीं उठने पर स्वजन पुलिस के पास पहुंचे। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर गई तो युवक बेड पर मृत पड़े थे। पुलिस को मौके पर से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, वैशाली सेक्टर छह में 42 वर्षीय विकास चोखानी रहते थे। वह एक सीए के पास काम करते थे। दो दिन से वह फोन नहीं उठा रहे थे। शुक्रवार को उनके बहन और भाई बिहार से यहां पहुंचे। अंदर से विकास ने दरवाजा नहीं खोला तो वह इंदिरापुरम कोतवाली पहुंचे।

अंदर से बंद था दरवाजा

पुलिस मौके पर पहुंची और स्वजन के सामने दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखा तो विकास का शव बेड पर पड़ा हुआ था। नीचे तमंचा गिरा हुआ था, माथे पर गोली लगी हुई थी, लेकिन पीछे की ओर नहीं निकली। कमरे में एक फंदा भी लटका हुआ मिला है।

पुलिस अंदेशा जता रही है कि फंदा लगाकर आत्महत्या नहीं कर पाने पर तमंचे से गोली मारी होगी। पुलिस ने फारेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उसके पास तमंचा होने सहित अन्य बिंदुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है।

खाकी का कारनामा: पूर्व हिस्ट्रीशीटर को अवैध रूप से दिया गनर, आरोप के बाद लोनी कोतवाल अनिल राजपूत

पूर्व हिस्ट्रीशीटर चाहत राम को अवैध रूप से गनर देने के मामले में लोनी कोतवाली प्रभारी अनिल राजपूत को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी बैठा दी गई है। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण विवेक चंद यादव ने बताया कि निठौरा के चाहत राम पूर्व में हिस्ट्रीशीटर रहे हैं। उनके पास पूर्व में एक गनर था।

गाजियाबाद (लोनी)। पूर्व हिस्ट्रीशीटर चाहत राम को अवैध रूप से गनर देने के मामले में लोनी कोतवाली प्रभारी अनिल राजपूत को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी बैठा दी गई है।

पुलिस उपायुक्त ग्रामीण विवेक चंद यादव ने बताया कि निठौरा के चाहत राम पूर्व में हिस्ट्रीशीटर रहे हैं। उनके पास पूर्व में एक गनर था। उनके संज्ञान में मामला आया तो गनर को हटा दिया गया था।

लोनी कोतवाली प्रभारी अनिल राजपूत ने अपने स्तर से उन्हें गनर मुहैया कराया था। मामला संज्ञान में आने पर लोनी कोतवाली प्रभारी को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कराई गई है।

झूठे केस में जेल भेजने का लगा था आरोप

गौतमबुद्ध नगर में छात्र की पिटाई करके झूठे केस में जेल भेजने का इंस्पेक्टर अनिल कुमार राजपूत पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

मामला लखनऊ तक पहुंचने पर अनिल राजपूत सहित 10 नामजद व पांच-छह अज्ञात के खिलाफ बीटा दो थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था। गाजियाबाद में ट्रांसफर होकर आने पर उन्हें दिसंबर में लोनी का कोतवाल बनाया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास से विपक्षी खेमे में काफी बेचैनी दिखाई दे रही है

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया था कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गत 5 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण देते हुए कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल 1,000 सालों की नींव रखने का काम करेगा और उसमें बहुत बड़े फ़ैसले होंगे। बीती 2 फरवरी को 'इंडिया मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की योजनाओं के बारे में बताया। जैसे ही पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की बात की तो लोग लगातार तालियां बजाने लगे। इसके बाद पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है। 26 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में नए इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम के उदघाटन के अवसर पर अपने भाषण में कहा कि, मेरे तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी के चेहरे और भाषणों में झलकता आत्मविश्वास विपक्ष की बेचैनी का बड़ा कारण है।

बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। वास्तव में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में ही नहीं, बल्कि उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी वर्ष में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश अंतरिम बजट से न केवल सरकार का आत्मविश्वास झलकता है कि वह अपने कार्यों के बल पर ही तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी, बल्कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के उसके संकल्प का परिचय भी मिलता है। यह एक ऐसा अंतरिम बजट है, जिसमें सरकार ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई लोकलुभावन घोषणा नहीं की। ध्यान रहे 2019 के अंतरिम बजट में कई लोकलुभावन घोषणाएं की गई थीं। इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसका मतलब है कि सरकार मानकर चल रही है कि जनता को उस पर भरोसा है कि वह देशहित में सही दिशा में काम कर रही है।

विकास की राजनीति का यह एक नया उदाहरण है। जब सामने लगातार तीसरी पारी की लड़ाई का मैदान सज रहा हो और यह अपेक्षा हो कि लोकलुभावन घोषणाओं का तड़का लगेगा, तब नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय व

समानता के अवसर पैदा करते हुए भविष्य के विकसित भारत का संकल्प दोहराना यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में वापसी का विश्वास लबालब है। पीएम मोदी लोकलुभावन घोषणाओं के जरिए नहीं बल्कि अपने दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड, जो कहा सो पूरा किया के नारे के साथ ही जनता से समर्थन चाहते हैं।

मोदी-2 की सरकार ने आते ही जम्मू कश्मीर से धारा 370 की विदाई कर दी। राम मंदिर का रास्ता साफ किया और सीएए, एनआरसी जैसे कानून लेकर आई। मोदी-2 कार्यकाल की विदाई के चार महीने पहले अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी की मार से बाहर निकले हैं। ग्रामीण स्तर पर वह सारी सुविधाएं पहुंच रही हैं जो पहले छोटे शहरों तक में उपलब्ध नहीं था। बीमारी हर साल पुनः गरीबी के चपेट में आने का बड़ा कारण रहा है लेकिन आयुष्मान योजना ने उस दशा में परिवर्तन ला दिया। सड़क, रेल और हवाई यातायात का परिदृश्य बदल रहा है, मैन्यूफैक्चरिंग के कारण रोजगार के नए नए रास्ते खुले हैं। लोगों की औसत आय में 50 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है और सामान्य रूप से यह विमर्श बना है कि देश बदल रहा है, आने वाले समय में दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश आत्मविश्वास से भर रहा है और गौरव से भर रहा है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारत्मकता, आशा, भरोसा बढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बने माहौल को देखते हुए केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन में यह संभावना जताने के साथ ही कहा गया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में जीत ने पार्टी की ताकत को और बढ़ाया ही है। अखबार में हन्ना एलिस पीटरसन की तरफ से लिखे गए कॉलम में कहा गया है कि तीन राज्यों की जीत लोकसभा में भाजपा की संभावनाओं को और मजबूत करने वाली है। यही वजह है कि पीएम मोदी खुद इस विधानसभा चुनावों की जीत को 2024 में जीत की गारंटी बता चुके हैं। लेख में कहा गया है कि विपक्षी दलों की तरफ से कुछ ही माह पहले बनाया गया गठबंधन इंडिया ब्लॉक भले ही सामूहिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताता रहा हो लेकिन वह अभी भी एकजुट नहीं हो पाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास के पीछे का कारण केवल खोखली राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। इसके ठोस कारण हैं। पिछले दस वर्षों में जिस तरह से अलग अलग क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भर हुआ है, उसने यह शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी है। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर भारत की उत्पादकता बढ़ी है बल्कि उसने कई क्षेत्रों में निर्यात भी शुरू किया है। अब से कुछ दशक पहले भारत हर छोटी बड़ी चीज के लिए विश्व के उन देशों का भी मुंह ताकत रहा, जो किसी न किसी तरीके से अपना हित साधने के लिए तमाम अंतरराष्ट्रीय उठापटक के लिए जिम्मेदार होते थे। मोदी सरकार की नीतियों ने ऐसे देशों की शक्ति और वर्चस्व वास्तव में कम की है और भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर विश्व पटल पर खड़ा किया है। आज विश्व के तमाम बड़े, शक्तिशाली और उन्नत देश भी भारत की बढ़ती शक्ति, वर्चस्व और प्रभाव को स्वीकार रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने अपने कार्यों के दम पर समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका उत्तर देशवासियों को देना होगा। इसके अलावा सरकार की योजनाएं हैं, करोड़ों लाभार्थी हैं, भाजपा की मशीनरी है, संसाधन है, मोदी का व्यक्तित्व है, उनकी प्रचार करने और भाषण देने की अद्भुत क्षमता है और ऐसी अनेक चीजें हैं, जो उनको आत्मविश्वास देती हैं।

मोदी सरकार ने विपक्ष के सामने एक और चुनौती रखी है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही तीन राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस को परास्त कर सरकार बनाई थी। अब सिर्फ रिपोर्ट कार्ड के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सजाए जा रहे मैदान में उतरने वाली है। विपक्षी गठबंधन का हाल देश की जनता देख ही रही है। सीटों के बंटवारे और तुच्छ स्वार्थों के लिए जिस तरह विपक्षी दल आपस में लड़ रहे हैं, उससे उनकी नीति और नीयत साफ तौर पर दिखाई देती है। विपक्षी दल जनता की सेवा करने या उसके मुद्दे उठाने की बजाय खुद को भ्रष्टाचार से बचाने की जुगत में लगे हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। जैसे-जैसे उनकी यात्रा आगे बढ़ रही है, वैसे वैसे इंडी गठबंधन में अविष्वास भी बढ़ रहा है। इंडिया गठबंधन लगभग खत्म होने की कगार पर है। विपक्ष को यह समझ नहीं आ रहा है कि वो देश के सामने किस मुद्दे को लेकर जाएं और किस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरें। वास्तव में लोकसभा चुनाव की लड़ाई विश्वास की होगी। अब यह देशवासियों को तय करना है कि उनका भरोसा किस पर है- विकसित भारत की मोदी गारंटी पर या विपक्ष पर।

International Federation of Electric Vehicle Association

फरारी और लंबोरघिनी देने वाले शहर में थमी वाहनों की रफ्तार, केवल 30 KMPH की स्पीड पर दौड़ सकेंगी गाड़ियां

इटली के 4 लाख आबादी वाले शहर बोलोग्ना में फेरारी और लेम्बोर्गिनी जैसी स्पोर्ट्स कार बनाई गई हैं। इसके अलावा Bologna में Pagani Ducati और Maserati जैसी अन्य हाई-एंड कार और बाइक निर्माताओं का घर भी है। सिटी में अथॉरिटी की ओर से टॉप स्पीड को 30 किलोमीटर प्रति घंटा तय किया गया है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। दुनिया भर को Ferrari और Lamborghini जैसी सुपरकार देने वाले शहर में टॉप-स्पीड को लेकर चौंकाने वाले नियम लागू किए गए हैं। इटली के बोलोग्ना में वाहन की अधिकतम गति सीमा 30 KMPH तय की गई है। शहर के मेयर ने कहा है कि ये कदम सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

बोलोग्ना में थमी वाहनों की स्पीड

इटली के 4 लाख आबादी वाले शहर बोलोग्ना में फेरारी और लेम्बोर्गिनी जैसी स्पोर्ट्स कार बनाई गई हैं। इसके अलावा Bologna में Pagani, Ducati और Maserati जैसी अन्य हाई-एंड कार और बाइक निर्माताओं का घर भी है। सिटी में अथॉरिटी की ओर से टॉप स्पीड को 30 किलोमीटर प्रति घंटा तय किया गया है। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि स्पीड लिमिट कम होने से शहर का माहौल सुरक्षित और जीने योग्य होगा।

जनता ने उठाए सवाल

प्रशासन द्वारा जारी किए गए नए नियमों को लोगों द्वारा चुनौती मिल रही है। विरोध करने वालों का कहना है कि ऐसा करने से शहर की रफ्तार ही धीमी पड़ जाएगी और सिटी काफी सुस्त हो जाएगी।

इन शहरों में भी है ऐसा नियम

इटली के बोलोग्ना से पहले भी दुनिया भर के कई शहरों में ये नियम लागू किया जा चुका है। स्पीड लिमिट घटाने वाले शहरों की लिस्ट में Amsterdam, Bilbao, Brussels और Lyon शामिल हैं। इन शहरों में पहले से ही 30 KMPH की टॉप स्पीड निर्धारित है।

कमर्शियल वाहनों को होगा नुकसान

स्पीड लिमिट बेहद कम हो जाने से अब कमर्शियल वाहन मालिकों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। 30 KMPH की टॉप स्पीड हो जाने का मतलब है कि अब पैसेंजर को पहुंचाने में दोगुना वक्त लगेगा। ऐसे में उनकी कमाई आधी हो जाएगी। अगर किराया बढ़ाया गया, तो लोगों की जेब पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

लेक्ट्रिक्स ईवी LXS 2.0 इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय बाजार में लॉन्च, 80 हजार की कीमत पर देगा 98 KM की रेंज

Lectrix EV ने भारतीय बाजार में नया LXS 2.0 electric scooter लॉन्च किया है जो एक बार चार्ज करने पर 98 किमी की रेंज का वादा करता है। Lectrix का मानना है कि नया LXS 2.0 ग्राहक की तीन महत्वपूर्ण जरूरतों – रेंज क्वालिटी और प्राइस को पूरा करता है। Lectrix LXS 2.0 के लिए प्री-बुकिंग अब मार्च 2024 में शुरू होने वाली डिलीवरी के साथ खुल गई है।

नई दिल्ली। Lectrix EV ने भारतीय बाजार में नया LXS 2.0 electric scooter लॉन्च किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 98 किमी की रेंज का वादा करता है। नए Lectrix LXS 2.0 में 2.3 kWh बैटरी पैक मिलता है, जिसके बारे में कंपनी का कहना है कि ये इंडस्ट्री में यूनिक है और इसकी कीमत 79,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है।

Lectrix LXS 2.0 में क्या खास

Lectrix का मानना है कि नया LXS 2.0 ग्राहक की तीन महत्वपूर्ण जरूरतों - रेंज, क्वालिटी और प्राइस को पूरा करता है। Lectrix LXS 2.0 के लिए प्री-बुकिंग अब मार्च 2024 में शुरू होने वाली डिलीवरी के साथ खुल गई है।

बैटरी, मोटर और रेंज

नया लेक्ट्रिक्स LXS 2.0 इलेक्ट्रिक स्कूटर बड़े 3 kWh बैटरी पैक के साथ LXS 3.0 इलेक्ट्रिक स्कूटर के नीचे स्थित है। छोटी बैटरी क्षमता को छोड़कर मॉडल समान रहता है। इस ई-स्कूटर में 2.2 किलोवाट (2.9 बीएचपी) बीएलडीसी हब मोटर है, जिसकी अधिकतम गति 60 किमी प्रति घंटे तक सीमित है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

अन्य विशेषताओं में 25 लीटर अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस, 90/110 फ्रंट और 110/90 रियर 10-इंच टायर, फॉलो-मी हेडलैंप फंक्शन और बहुत कुछ शामिल हैं।

लेक्ट्रिक्स नए एलएक्सएस 2.0 इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ पहली बार खरीदारों को लक्षित कर रहा है और 3 साल/30,000 किमी की वारंटी दे रहा है। मॉडल में एक एंटी-थेफ्ट सिस्टम, इमरजेंसी एसओएस के साथ कई एडवांस फीचर्स शामिल हैं।

कार के Engine Air Filter को चेक करने के लिए फॉलो करें ये स्टेप्स, घर बैठे ऐसे बदल पाएंगे

कार के इंजन का एयर फिल्टर बदलना आपके लिए आसान काम है जिसे आप खुद से कर सकते हैं। एयर फिल्टर को खुद से बदलने से आपको बड़ी बचत हो सकती है। इंजन एयर फिल्टर का पता लगाने के बाद काले प्लास्टिक हाउसिंग को खोलें और पुराने फिल्टर को हटा दें। हाउसिंग कवर हटाते समय अतिरिक्त सावधानी सुनिश्चित करें। आइए पूरी प्रोसेस के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। अगर आप एक कार मालिक हैं, तो हम आपके लिए कुछ जानकारी लेकर आए हैं। ये टिप्स वाहन के इंजन और मेंटेनेंस से जुड़े हुए हैं। दरअसल, हम ऑयल चेंज करने या स्पार्क प्लग बदलने जैसे नियमित कार्यों को आसानी से कर लेते हैं।

कार के इंजन का एयर फिल्टर बदलना आपके लिए आसान काम है, जिसे आप खुद से कर सकते हैं। एयर फिल्टर को खुद से बदलने से आपको बड़ी बचत हो सकती है। कार के इंजन में Air Filter को बदलने के लिए नीचे दिए गए स्टेप्स फॉलो करने हैं-

सबसे पहले कार का हुड खोलें और इंजन एयर फिल्टर हाउसिंग खोजें। ये आमतौर पर एक काला प्लास्टिक बॉक्स होता है, जो इंजन के ऊपर या किनारे पर स्थित होता है।

पुराने Air Filter को बाहर निकालें

इंजन एयर फिल्टर का पता लगाने के बाद, काले प्लास्टिक हाउसिंग को खोलें और पुराने फिल्टर को हटा दें। हाउसिंग कवर हटाते समय अतिरिक्त सावधानी सुनिश्चित करें, क्योंकि इसमें वायरिंग हार्नेस और बिजली के कंपोनेंट जुड़े हो सकते हैं।

पुराने Air Filter को चेक करें

पुराने एयर फिल्टर को हटाने के बाद, किसी भी मलबे या गंदगी या दूषित पदार्थ के संचय के लिए इसकी सावधानीपूर्वक जांच करें। बाहरी क्षेत्र की जांच करने के अलावा, प्लीट्स के अंदर की भी जांच करें। अगर बहुत गंदगी दिखाई देती है, तो समझिए कि Air Filter बदलने का समय आ गया है।

नया Air Filter लगाएं

अगर पुराना एयर फिल्टर इतना गंदा है कि उसे बदला जा सकता है, तो बाजार से एक नया एयर फिल्टर खरीदें और सुनिश्चित करें कि आप एक ब्रांडेड प्रोडक्ट ही यूज कर रहे हैं। नए इंजन एयर फिल्टर को फिल्टर बॉक्स में रखें और सुनिश्चित करें कि एयर फिल्टर और रबर रिम सही ढंग से स्थित हैं।

2024 Bajaj Pulsar NS200 की पहली झलक आई सामने, इन बदलावों के साथ होगी लॉन्च

नई कलर स्कीम के अलावा ऐसी संभावना है कि Bajaj सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को नए डिजिटल क्लस्टर से बदल देगा जिसने हाल ही में Pulsar N160 और Pulsar N150 के साथ अपनी शुरुआत की है। नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आता है और इसे मोबाइल एप्लिकेशन से भी कनेक्ट किया जा सकता है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Bajaj Auto India ने Pulsar के Instagram Page पर एक नया टीजर जारी किया है। नए टीजर में Pulsar NS200 को दिखाया गया है, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि बजाज जल्द ही 2024 Pulsar NS200 को भारतीय बाजार में लॉन्च करेगा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अपडेटेड पल्सर NS200 क्या लेकर आएगी। हालांकि, नई कलर स्कीम के रूप में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव हो सकते हैं।

2024 Pulsar NS200 में क्या नया?

नई कलर स्कीम के अलावा, ऐसी संभावना है कि Bajaj सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को नए डिजिटल क्लस्टर से बदल देगा, जिसने हाल ही में Pulsar N160 और Pulsar N150 के साथ अपनी शुरुआत की है। नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आता है और इसे मोबाइल एप्लिकेशन से भी कनेक्ट किया जा सकता है।

डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर

नया डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर एक ब्लैक-आउट इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ पेश किया गया है, जिसे बाएं स्विच गियर पर एक बटन के माध्यम से कंट्रोल किया जा सकता है। नया क्लस्टर गियर पोजीशन इंडिकेटर, मोबाइल नोटिफिकेशन अलर्ट, फ्यूल इकॉनमी, डिस्टेंस टू एम्पटी, एवरेज फ्यूल इकॉनमी और समय जैसी जानकारी दिखाता है। इसके अलावा सामान्य ट्रिप मीटर, ओडोमीटर, स्पीडोमीटर और फ्यूल गेज होंगे।

इंजन

उम्मीद है कि इंजन में कोई बदलाव नहीं होगा। Pulsar NS200 को 199.5 सीसी, लिक्विड-कूल्ड इंजन के साथ ही पेश करनी जारी रखा जाएगा। ये इंजन 9,750 आरपीएम पर 24 बीएचपी की अधिकतम पावर और 8,000 आरपीएम पर 18.74 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट पैदा करता है। ऑन ड्यूटी गियरबॉक्स 6-स्पीड यूनिट है।

मस्जिदों पर नियंत्रण देसी मुसलमानों का हो

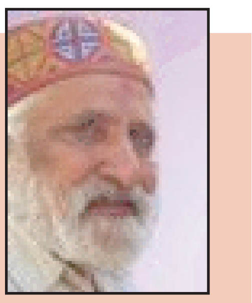

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत के देसी मुसलमानों को इस्लाम का हाथ पकड़े हुए पांच सौ से भी ज्यादा साल हो गए हैं, लेकिन दिल्ली की मस्जिद पर अभी भी बुखारा वालों का ही कब्जा है। क्या कोई देसी मुसलमान इन पांच सौ साल में भी इतना काबिल नहीं हो पाया कि वह इस मस्जिद का इंतजाम संभाल सके'

यह रहस्य किसी से छिपा नहीं है कि महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक के लगभग छह-सात सौ साल के कार्यकाल में अरबों, तुर्कों और मुगल मंगोलों ने हिंदुस्तान में मंदिरों को ही नहीं गिराया बल्कि बहुत से लोगों को मतांतरित भी किया। बंगाल और सप्त सिंधु/पश्चिमोत्तर भारत में यह काम बड़े स्तर पर हुआ। हिंदुस्तान के जो लोग अपने मजहब को छोड़ कर मुसलमान बन गए, उन्हें देसी मुसलमान या डीएम कहा जाता है। आज भारत के कुल मुसलमानों में से 5 फीसदी अशरफ मुसलमानों को यदि निकाल दिया जाए तो शेष मुसलमानों में से 95 फीसदी जनसंख्या देसी मुसलमानों की है। लेकिन अशरफ समाज, जिसे एटीएम भी कहा जाता है (एटीएम से अभिप्राय अरब, तुर्क और मुगल मंगोल से है), का देसी मुसलमानों पर पूरी तरह नियंत्रण है। आज स्थिति यह है कि मस्जिदों में इबादत के लिए देसी मुसलमान जाते हैं और मस्जिदों पर कब्जा अशरफों का है। मस्जिदों में जो चढ़ावा चढ़ता है, वे देसी मुसलमान देते हैं और उसके उपयोग का अधिकार अशरफ के पास है। एटीएम मूल के मुसलमान, जिस संस्था को 'आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' कह कर दिन-रात चिल्लाते रहते हैं, वह दरअसल 'अशरफ क्लब' के सिवा कुछ नहीं है। वह भारत के देसी मुसलमानों को डराने का तमंचा है। अशरफ समाज देसी मुसलमानों पर अरब के उसूल और तहजीब लादना चाहता है। उसी को वह शरीयत कह कर देसी मुसलमानों की गर्दन पर सवार रहता है।

शरीयत का जो सामाजिक ताना-बाना है, वह मूल रूप में अरब का कल्चर है। वहां के लोग हो सकता हैं उसके पक्ष में हों। तीन तलाक और हलाला उसी में से उपजा है। भारत का देसी मुसलमान भला हलाला जैसी विदेशी अरबी प्रथा को क्यों स्वीकार करेगा? लेकिन मस्जिद का सैयद मौलवी भारत के देसी मुसलमान को इसका विरोध करने पर उसे डराता है। उसे दोजख की तस्वीरें दिखाता है। दुर्भाग्य से देश की सरकार ऐसे समय में सैयद मौलवी के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है, न कि देसी मुसलमानों के पक्ष में। यदि कोई शाहबानो इन अमानवीय अरबी रीति-रिवाजों और विधि-विधानों से लडने का दम भी दिखाती है तो उस पर दो तरफ से हमला होता है। अशरफ उसे दाएं से घेरता है और सरकार उसे बाएं से घेरती है। तब शाहबानो जीत कर भी हार जाती है और सैयद अशरफ हार कर भी जीत जाता है। पिछले दिनों उत्तराखंड की विधानसभा ने राज्य में समान सिविल कोड पारित किया है। समान सिविल संहिता लागू करने वाला यह दूसरा राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा समान सिविल कोड का पालन करता है। लेकिन उत्तराखंड में यह कानून पास होने पर सैयद अशरफ कपड़ों से बाहर हो रहे हैं। वैसे संविधान के चौथे अध्याय में सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया हुआ है कि यह कानून लागू करना चाहिए। लेकिन एटीएम अशरफ का कहना है कि उसका संविधान शरीयत ही है। काशी के विश्वनाथ मंदिर के आधे हिस्से में ज्ञानवापी नाम का ढांचा खड़ा है। औरंगजेब के वक्त में शासकीय आज्ञा से विश्वनाथ मंदिर को गिरा कर इस ढांचे का निर्माण किया गया था। मंदिर का कुछ हिस्सा ही सुरक्षित रहा था। ज्ञानवापी की दीवारें ही चिल्ला कर कह रही हैं कि वहां मंदिर था। कई दशकों से काशी के लोग काशी विश्वनाथ मंदिर को उसके मौलिक रूप में स्थापित करने के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे थे।

न्यायालय ने आर्कियोलॉजी सर्वे आफ इंडिया को आदेश दिया कि इस ज्ञानवापी ढांचे के एक हिस्से का सर्वेक्षण किया जाए। सर्वेक्षण में पता चला कि ढांचे के अंदर और बाहर काफी सामान है जो यह सिद्ध करता है कि विश्वनाथ मंदिर को ही तोड़ा गया था। न्यायालय ने पर्याप्त प्रमाण देखकर तहखाने में, जहां 1993 तक पूजा होती थी, पूजा करने की अनुमति भी दे दी। इससे एटीएम अशरफ आग बबूला हो रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने तीखी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि ऐसे फैसले लेने से बेहतर है कि देश में से कानून की सब किताबें ही जला दो। उन्होंने और भी आगे जाते हुए कहा कि इससे देश में दंगे शुरू हो जाएंगे। वैसे तो जमीयत उलेमा-ए-हिंद का भी आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड की तरह भारत के देसी मुसलमानों से कुछ लेना देना नहीं है। यह भी एक अशरफ क्लब ही है। कानून की किताबों को जलाने की मौलाना अरशद मदनी की इच्छा समझ में आती है। भारत का अशरफ क्लब अभी भी मध्ययुगीन मुगलों की सत्ता की छाया से बाहर नहीं निकल पा रहा है। यदि भारत में अभी भी औरंगजेब, शाहजहां, जहांगीर या बाबर की सत्ता होती तो मदनी और उसके लोग जरूर कानून की किताबों को जला देते। आखिर औरंगजेब ने भी विश्वनाथ का मंदिर कानून की किताबों को जलाकर ही तोड़ा होगा। अब कानून की किताबें उस मंदिर को दोबारा बनाने का रास्ता साफ कर रही हैं तो मदनी उन किताबों को ही एक बार फिर जलाने का सपना देख रहा है। मदनी जैसे लोग ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को लेकर हकलान हो रहे हैं। यह विश्वविद्यालय 1857 की आजादी की लड़ाई के बाद सैयदों ने खोला था। मकसद अशरफ मुसलमानों को अंग्रेजी सरकार के पक्ष में करना था। सैयदों को लगता था कि मुगल इस देश पर कब्जा किए हुए थे, लेकिन अंग्रेजों ने उनसे सत्ता छीन ली। जिन दिनों मुगल राज था उन दिनों सैयद उनको शरीयत पढ़ा पढ़ा कर भारतीयों का खून चूसते थे। लेकिन अंग्रेजों के आ जाने से वे दर-बदर हो गए हैं। अंग्रेज तो फिर भी भाई हैं। 'पीपुल्स आफ दी बुक'। लेकिन देसी मुसलमान भी अंग्रेज के खिलाफ हो रहा है और अपने दूसरे भाई बंधुओं के साथ मिल कर अंग्रेजों को गालियां दे रहा है। यह देसी अलजाफ, अरजाल और पसमांदा मुसलमान हाथ से निकल गया तो सैयद अशरफ क्या घास खोदेंगे? इनको राह पर लाना के लिए इल्म का यह बड़ा मदरसा खोला गया। और यहां से ऐसी तालीम दी गई, जिसने देश का ही बंटवारा कर दिया। हद तो तब हो गई जब मुगलों व अंग्रेजों के चले जाने के बाद भी अशरफ जिद कर रहे हैं कि इस 'दानिशगाह' को मुसलमानों की दानिशगाह मान लिया जाए। इसमें एससी के छात्रों के लिए आरक्षण न रखा जाए।

विश्वविद्यालय का खर्चा सरकार उठाए और नियंत्रण एटीएम अशरफ का रहे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। उसका कहना था कि यह सरकारी विश्वविद्यालय है, इसलिए वैधानिक नियमों के अनुसार दाखिले में भी, और नौकरी में भी एससी को आरक्षण देना पड़ेगा। तब इंदिरा गांधी की सरकार थी। उसने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को लेकर संसद में कानून ही बदल दिया। अलीगढ़ का यह बड़ा मदरसा मुसलमानों के कब्जे में ही रहेगा। शब्द मुसलमान प्रयोग किया गया था, लेकिन व्यावहारिक रूप में उसका अर्थ अशरफ यानी एटीएम मुसलमान से ही था। अब मदनी जैसे पता नहीं कितने अशरफ कानून की किताबों को जला देने की बातें करने लगे हैं। देसी मुसलमान मुंह बाए देख रहा है। लेकिन असली सवाल यह है कि पांच प्रतिशत एटीएम यानी अशरफ के पास 95 फीसदी देसी मुसलमानों को घेरने की ताकत आखिर कहां से आती है? उसकी ताकत का राज भारत की मस्जिदों पर उसका कब्जा है। भारत के देसी मुसलमानों को इस्लाम का हाथ पकड़े हुए पांच सौ से भी ज्यादा साल हो गए हैं, लेकिन दिल्ली की मस्जिद पर अभी भी बुखारा वालों का ही कब्जा है। क्या कोई देसी मुसलमान इन पांच सौ साल में भी इतना काबिल नहीं हो पाया कि वह इस मस्जिद का इंतजाम संभाल सके? देसी मुसलमान को पांच प्रतिशत एटीएम अशरफ ने घेरा हुआ है और उसका मानसिक व आर्थिक दृष्टि से शोषण कर रहा है।

संपादक की कलम से

'पारिवारिक' दलों की परिणति

वयोवृद्ध नेता शरद पवार केंद्रीय रक्षा और कृषि मंत्री रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। प्रधानमंत्री पद के लिए उनका नाम कई बार चर्चा में रहा है। उन्हें भारतीय राजनीति का 'चाणक्य' समझा जाता रहा है। हालांकि उनका बुनियादी जनाधार महाराष्ट्र तक ही सीमित रहा है। आज वह 'चाणक्य' खाली हाथ, पराजित अवस्था में है। विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होते हुए उन्होंने जिस 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (एनसीपी) का गठन, पी.ए.संगमा और तारिक अनवर सरीखे मित्रों के साथ, किया था, आज वह पार्टी उनसे छिन चुकी है। शरद पवार ने इस पार्टी की मौजूदगी कुछ और राज्यों में भी स्थापित कराई थी, लेकिन उनके भतीजे अजित पवार की बगावत ने ही उनकी पार्टी पर कब्जा कर लिया। जिस भतीजे को चलना-उठना सिखाया, सियासत का ककहरा पढ़ाया, इस काबिल बनाया कि आज वह महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं, उसी भतीजे ने 'वर्चस्व की भूख' के कारण पिता-तुल्य शरद पवार को गच्चा दे दिया। हालांकि अजित पवार के तर्क कुछ और हैं। दरअसल जो राजनीतिक दल 'पारिवारिक' किस्म के हैं, उनमें वर्चस्व की लड़ाई तय है और परिणति भी ऐसी ही होती है। उसमें चुनाव आयोग की भूमिका सीमित है। महाराष्ट्र में ही बाल ठाकरे ने 'शिवसेना' पार्टी बनाई थी। एक समय ऐसा आया, जब उन्होंने अपने बेटे उद्धव ठाकरे को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर पार्टी की विरासत तय कर दी। बाल ठाकरे के निधन के बाद एक समूह में असंतोष और विद्रोह पनपने लगा। नतीजतन पार्टी दोफाड़ हो गई, लेकिन अधिकांश सांसद, विधायक, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य, जिला अध्यक्ष आदि 'असंतुष्ट पक्ष' की तरफ थे। उन्होंने खुद को 'असली शिवसेना' घोषित किया, क्योंकि एक अदद कार्यकर्ता और नेता के तौर पर उन्होंने ही बाल ठाकरे के नेतृत्व में पार्टी को सींचा था।

उन्हें राजनीतिक दल की 'वंशवादी विरासत' मंजूर नहीं थी। चुनाव आयोग ने उन्हें ही 'असली शिवसेना' स्वीकार किया। पार्टी का नाम, चुनाव चिह्न और ध्वज आदि उसी 'विद्रोही समूह' को आवंटित कर दिए। उस समूह के नेता एकनाथ शिंदे, भाजपा के समर्थन से, आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं। उद्धव ठाकरे किलस कर, छटपटा कर और सर्वोच्च अदालत में गुहार करके रह गए। बाल ठाकरे के 'राजनीतिक वारिस' शिंदे गुट के नेता बन गए। शरद पवार के साथ भी लगभग ऐसा ही हुआ है। उनके सगे भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में एक समूह ने बगावत की और शिवसेना की तर्ज पर ही एनसीपी का आवंटन, शरद पवार से छीन कर, उन्हें दे दिया गया। फिलहाल बुजुर्ग शरद पवार के हाथ बिल्कुल खाली हैं। अब उन्हें 80 साल से अधिक की उम्र में पार्टी के नए नाम और चुनाव चिह्न के साथ राजनीतिक संघर्ष करना पड़ेगा। अभी एनसीपी का मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। उद्धव की शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग के इस फैसले को 'लोकतंत्र की पीठ में छुरा घोंपना' करार दिया है। यह एकांगी दृष्टिकोण है। वैसे चुनाव आयोग के ऐसे फैसलों की प्रक्रिया में कुछ संशोधन संसद के जरिए किए जाने चाहिए। कमोबेश यह तथ्य विचारणीय होना चाहिए कि पार्टी की स्थापना किसने की और तत्कालीन अध्यक्ष कौन था? दरअसल 'पारिवारिक' दलों में देर-सबेर ऐसी ही घटनाएं होंगी। देवीलाल, लालू यादव, मुलायम सिंह यादव, पवार, बाल ठाकरे, प्रकाश सिंह बादल और शिबू सोरेन आदि के 'सियासी करिश्मे' पर पार्टियां अस्तित्व में आईं। वक्त गुजरा, नई पीढियां उभरीं, तो वर्चस्व की लड़ाई भी सामने आई। बिहार में रामविलास पासवान के निधन के बाद 'लोक जनशक्ति पार्टी' दोफाड़ हुई।

राय

बीबीएन की रेत

निवेश की तलहटी में अफरातफरी का आलम यह कि जिस बीबीएन के मार्फत हिमाचल ने आर्थिकी का तिलक लगाना था, वहां सदमे गिने जा रहे हैं। झाड़माजरी में परफ्यूम फैक्टरी की सड़ांध का मुआयना करने निकली सुक्खू सरकार के सामने कई प्रश्न-कई समाधान। मुख्यमंत्री ने स्वयं घटनास्थल पर बिखरे प्रश्नों से बीबीएन की रेत छानी है, तो अंडरग्राउंड तारों के लिए औद्योगिक केंद्र को विश्वास दिलाया गया। दरअसल औद्योगिक विस्तार को प्रदेश से भरोसा चाहिए और भविष्य का मानचित्र भी। बीबीएन की वजह से हिमाचल में उद्योग और उद्योगों में हिमाचल दिखाई देने लगा है। औद्योगिक उत्पादों में मेड इन बीबीएन के पते पर हिमाचल की शोहरत और आर्थिक क्षमता की इबारत दिखाई देती है, लेकिन इसी परिदृश्य के भीतर कई तरह की लापरवाही, अफरातफरी और क्षेत्रीय माफिया की तस्वीर टंगी है। परफ्यूम की फैक्टरी यूं ही नहीं जली, इससे पूर्व के तमाम अग्निकांडों के अंगारे वहां समाहित थे। वे तमाम शिकायतें, हिदायतें, निरीक्षण व परीक्षण वहां अपनी-अपनी लुकाछिपी में ऐसी आशंकाओं से घिरे थे और लापरवाही के बीच हमने एक जली हुई इमारत की गवाही में मुर्दे चुन लिए। खुशनसीब हैं वे घायल जो मुख्यमंत्री के कुशलक्षेम पूछने पर ठीक सा उत्तर दे पाए और राहत का दरिया उनके सामने जिंदा हो गया, वरना किसने सुनी वे चीखें, जो बीबीएन निरंतर सुनता है। हर मृतक के नाम पर साढ़े छह लाख देने वाला बीबीएन क्या आगे चलकर जिंदा व्यवहार करेगा या वहां की अफरातफरी में बस उद्योगों का यही मुकद्दर है। दरअसल हमने बीबीएन के विकास में हिमाचल का चेहरा नहीं देखा, वरना वहां भी पहाड़ी सौम्यता, ईमानदारी और जज्बा पैदा होता।

न बीबीएन की भाषा में हिमाचल को कोई सुन रहा और न ही नैन-नक्श में वहां हिमाचल दिखाई दे रहा है। यह ऐसी औद्योगिक क्रांति है जहां कभी खोटी दवाइयों के दोष में हिमाचल अभिशप्त है, तो कभी औद्योगिक असुरक्षा में राज्य के इंतजाम लाचार हैं। इससे इतर जो निवेशक हिमाचल को अपनी समृद्धि, उत्पादकता व नवाचार का घर बनाना चाहते थे, वे निराश सिपाही बनकर लौट गए या इस समुद्र से बाहर निकल कर कहीं अन्यत्र टापू बनाने लगे। कभी बीबीएन की सुबह और बीबीएन की शाम को देखना किस कद्र इस शहर की क्षमता हर दिन को विस्थापित करके पड़ोसी राज्यों में बस जाती है। रह जाती है भीड़, थके हुए मजदूर, बाहरी राज्यों के निम्न स्तरीय कर्मचारी मजबूर या प्रदूषण व अफरातफरी का दस्तूर। कौन है बीबीएन का प्रश्रयदाता, प्रस्तोता या प्रशंसक। किसने इसकी रूह में ढलना या पलना सीखा। लंबी ट्रकों की कतार में भाड़े के ल_ को हर उत्पादन की लागत बढ़ाने की अनुमति किसने दी या हमेशा चर्चाओं में क्यों रहता स्क्रैप। जिसने बीबीएन के गाल चमकाए, उसके गाल किसने लाल किए। हमने बीबीएन के मार्फत अपनी आर्थिकी का शृंगार किया होता, तो यहां चंडीगढ़ के पास हिमाचल का भी एक सदाबहार चंडीगढ़ होता, लेकिन बह गए वे सारे नजारे जो कभी यहां दिखाई दिए। अब जलती फैक्टरियों की सड़ांध या प्रदूषण की गंध में हमें खुद को बचाना है, तो इस औद्योगिक शहर को हिमाचल की आर्थिक राजधानी का दर्जा दिया जाए। तमाम बैंकों के राज्य स्तरीय कार्यालय व हिमाचल के उद्योग तथा प्रदूषण के कार्यालयों का संचालन यहां से करते हुए बीबीएन का औद्योगिक संवाद बढ़ाना होगा। इसी बीबीएन की गलियों के उन्माद को औद्योगिक माहौल का प्रशिक्षण, चेहरा और प्रशासनिक बेहतरी का पाठ पढ़ाने के लिए महती परिश्रम की जरूरत है।

भूपिंदर सिंह

खेल कोटे का कुछ तो हक अदा करो

विद्यालय के प्रधानाचार्यों व शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों को चाहिए कि वे खेल सुविधा व प्रतिभा के अनुसार अपने विद्यालयों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण चलाएं'

किसी भी विभाग में दक्षता तभी आती है जब उस विभाग के कर्मचारी व अधिकारी भी उसी विषय में परांगत हों। खेल जैसे प्रायोगिक विषय में तो खिलाडियों की भागीदारी हर स्तर पर बहुत ही जरूरी हो जाती है, चाहे वो प्रबंधन में या फिर प्रशासन में। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है जो राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इक्का-दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है।

खेल से नियमित रोजी-रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें, अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है तो प्रशिक्षण व प्रबंधन तो आसानी से हो ही सकता है। इस विषय पर इस कॉलम के माध्यम से पहले भी कई बार लिखा जा चुका है कि खेल कोटे से मिली रोजी-रोटी का कुछ तो हक अदा करें। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है, जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है। विद्यालय जीवन ही वह समय है जब खिलाड़ी तकनीक को सीख रहा होता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण के लिए विद्यालय खुलने से पहले व बंद होने के बाद हिमाचल प्रदेश में शारीरिक शिक्षकों को छोड़ कर अन्य विषयों के शिक्षक जो पूर्व में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, अपने पढ़ाई के कार्य के साथ-साथ विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम पूर्व में रोशन करते रहे हैं और वर्तमान में कर भी रहे हैं। हमीरपुर शहर के वरिष्ठ माध्यमिक कन्या राजकीय विद्यालय में चार दशक पूर्व नियुक्त प्रयोगशाला सहायक अमरनाथ शर्मा ने हमीरपुर से महिला हॉकी के लिए निचले स्तर पर बहुत अच्छा काम किया था।

इस तरह और कई नाम हैं जिन्होंने अपनी ड्यूटी के साथ खेल प्रशिक्षण में भी सराहनीय कार्य किया है। वर्तमान में बिलासपुर जिले के दूरदराज मोरसिंघी गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता व पूर्व

अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी स्नेह लता के प्रशिक्षण कार्यक्रम से राष्ट्रीय स्तर पर हर आयु वर्ग की महिला प्रतियोगिताओं में हिमाचल विजेता है। पिछले एशियाड में भारतीय महिला हैंडबाल टीम में चार खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश से थी। इस साल की राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता की विजेता हिमाचल प्रदेश की टीम में अधिकांश खिलाड़ी मोरसिंघी नर्सरी से हैं। स्नेह लता की पहली नियुक्ति शिक्षा विभाग में सोलन जिले के नवगांव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई थी, उसी समय से स्नेह लता ने हैंडबाल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एक दशक पूर्व हमीरपुर जिले के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कक्डयार में नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक कुलवीर सिंह ने एथलेटिक्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया था। उसके अच्छे परिणाम रहे थे, मगर बाद में ऐसी जगह ट्रांसफर हो गई जहां प्ले फील्ड व समय की दिक्कत के कारण उनका प्रशिक्षण कार्यक्रम बंद हो गया। हमीरपुर में आज अपने समय के स्टार धावक अनिल शर्मा व रजनीश शर्मा जो दोनों ही प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक के पद पर शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं, अपनी ड्यूटी के बाद शाम के समय अणु सिंथेटिक ट्रैक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हुए हैं। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में कई खेलों के खिलाड़ी शिक्षक के पदों पर नियुक्त हैं। प्रदेश शिक्षा विभाग (उच्च) के निदेशक व प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक को चाहिए कि वे खेल आरक्षण से नियुक्त शिक्षकों जो अपनी ड्यूटी के अतिरिक्त अपने खेल में प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं या चलाना चाहते हैं, उन्हें जहां प्ले फील्ड है वहां नियुक्त करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों को अच्छे मगर शौकिया प्रशिक्षक मिल सकें जो हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों की क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता तक ले जा सके। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त और विभागों में भी कई खिलाड़ी खेल आरक्षण से नौकरी लगे हैं।

कराधान विभाग में नियुक्त निरीक्षक व राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पहलवान जौनी चौधरी ने हमीरपुर में अपनी नौकरी के बाद प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रखा है। अब तो चौधरी राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षक का कोर्स पास कर चुका है। क्या खेल विभाग के साथ मिलकर इन खिलाड़ी सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए मंच उपलब्ध नहीं करवाया जा सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्यों व शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों को चाहिए कि वे खेल सुविधा व प्रतिभा के अनुसार अपने विद्यालय में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएं ताकि हिमाचल के खिलाडियों को विद्यालय में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध हो सके। सुविधा यह है कि आज हिमाचल प्रदेश के कई विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की खेलों के लिए स्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है।

हास्य रस

सखी, वसंत आ गया!

सखी! तेरा क्लास फैलो वसंत नहीं, प्रकृतिवाला मौसमी वसंत आ गया है। चारों तरफ हरियाली छटा और गुलाबी ठंड है। अपना होश संभाल और पत्ते-पत्ते व फूल-फूल को निहार। जीवन में नवचेतना भरने वाला वसंत आ गया है। वसंत के बाद तो मजे ही मजे है। पहले वसंत, फिर वेलेंटाइन डे, फिर फागुन और फिर होली। मस्ती का दरबार सजा हुआ है। अपने आपको डुबो ले इसमें। इसकी छटा ही न्यारी है। यही वह ऋतु है-जब बूढ़ों में जवानी आ जाती है। इसलिए बूढ़ों से बचकर चल और जवानों के संग बोल-बतिया। सखी! यह बेला मामूली नहीं है। बजट आएगा। वही घाटे को पूरा करने वाला बजट। महंगाई को बढ़ाने वाला बजट। लेकिन तू बजट की परवाह मत कर। तू तो सोलह सिंगार करके चिहुंकत फिर। कमाने वाले जानें और उनका काम जाने। तेरा पति तो एक नम्बर का भ्रष्टाचारी है, पता नहीं उसने ऐसे कितने बजट देखे हैं, उसका बाल भी बांका नहीं हुआ है। तू तो वसंत के आनंद उठा। गोल-गप्पे खा, पानी पतासे पी और पिज्जा बर्गर की बहार में इस घाटे के बजट को ठेंगा दिखा दे। बेशकीमती साडियां धारण कर, क्योंकि वसंत आ गया है।

सखी! किसी की बात पर कान मत धर और मेरी सुन। देह में ठंड की झुरझरी उठती है न, इसे समझ और अपने पति से कह दे कि एक सप्ताह का सी. एल. लेकर तुझे आउटिंग पर ले जाए। तेरा पति गधे की तरह कमाने में लगा हुआ है। उसे जीने का मतलब समझा। उसने बैंक बैलेंस बढ़ाने को जीवन का अर्थ मान लिया है। शिमला चली जा। वहां वसंत और जोरों से बगराया है। महंगी से महंगी शॉपिंग कर। शिमला में जाकर अपने पति पर बर्फ के गोले मार। वह भी बेवकूफ नहीं है, सब समझ जाएगा और तुझे अपनी भुजाओं में भरकर पूछेगा-क्या वाकई वसंत आ गया है? तब तू शरमाना मत, साफ कह देना-हां वसंत आ गया है मौज-मस्ती का! तेरा रोम-रोम जादू समान हवाओं से गमक उठेगा। सखी! शिमला से आने के बाद तू देर तक सोती रह। लंच का क्या, वह तो टिफिन सेंटर से आ जाएगा। वसंत किसी दुकान पर थोड़े ही मिलता है। इसलिए वसंत ऋतु के आनंद उठा। मुझे पता है वसंत ने तेरे अंग-अंग में जादू जगा दिया है। इस जादू को समेट ले अपने दिल में। यह वसंत बीत गया तो पूरे एक साल बाद आएगा यह मुआ। इसे जाने मत दे।

फिर देख बहारें मस्ती की। होली तक चलने वाला यह वसंत तेरे ठाठ कर देगा। गहनों से लदी-फदी तू पड़ौस में ईर्ष्या जगा दे। उस कलमुंही पड़ोसन को और जला अपने रूप और वैभव से। यौवन का वैभव तो भरा पड़ा है तेरे पास। बैंक बैलेंस पति के पास है ही, दोनों वैभव लुटाएगी तो उस पड़ोसन के तो वैसे ही छक्के छूट जाएंगे। सखी! उठ और आलस का त्याग कर और फागुन से मन की तमाम बातें कह डाल। फागुन बहुत मनचला होता है, यह सुनता सबकी है, लेकिन करता अपने मन की है। फागुन में बाबा भी देवर लगता है। लेकिन तू बाबा को बाबा ही रहने दे और देवर पर रंग-गुलाल उड़ा। वह भी कम रंगीला नहीं है, तेरे लिए होली खेलने के बहाने मलाई पुवे लेकर आया है। इनको खा जा और उसे दिखा दे ठेंगा। सखी! मेरी प्यारी सखी, वसंत आ गया है। इसकी अगवानी कर। यह निकल गया तो बहुत पछताएगी। इसलिए मैं तुझसे फिर कह रही हूं-सखी! वसंत आ गया है। प्रकृति को भर ले अपने अंक में, क्योंकि यह तिलिस्मी ऋतु बाद में सालभर बाद आएगी।

पूरन सरमा

इनसाइड

महंगा हो गया सोना-चांदी, चेक करें आपके शहर में अब क्या है गोल्ड की कीमत

अंतरराराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। आज के कारोबारी सत्र में सोने का दाम 0.05 प्रतिशत बढ़कर 22.75 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं चांदी का रेट 0.50 प्रतिशत बढ़कर 22.75 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया है। स्पॉट पर सोने-चांदी की कीमतों में तेजी हुई है। चेक करें आज आपके शहर में सोने की कीमत क्या है?

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली है। 24 कैरेट के सोने की कीमत 163,160 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। 22 कैरेट के सोने का भाव 57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम है। चांदी की कीमत 75,000 रुपये प्रति किलो हो गई है।

क्या है आपके शहर में सोने की कीमत

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,150 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,710 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,210 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,310 रुपये है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी कीमत

अंतरराराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। आज के कारोबारी सत्र में सोने का दाम 2,031 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं, चांदी भी बढ़त के साथ 22.60 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के एजेंडे से निकट अवधि में दर में कटौती की संभावना कम होती दिख रही है, जिससे बाजार की धारणा में नरमी आई है। हालांकि, मध्य पूर्व में भूराजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को समर्थन प्रदान किया। वायदा बाजार में सोने की कीमत में तेजी आई है। अप्रैल डिलीवरी के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 30 रुपये या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 62,473 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। एमसीएक्स पर आज सोने में 13,956 लॉट्स में कारोबार हुआ है।

खरीदारी के बाद 45 दिनों की भुगतान अनिवार्यता से MSME परेशान

MSME के मुताबिक आगामी एक अप्रैल से यह नियम लागू हो रहा है और अगर इस साल 31 मार्च तक वे खरीदारी का भुगतान नहीं करते हैं तो खरीदारी की रकम उनकी आय मानी जाएगी और उन्हें 30 प्रतिशत तक का टैक्स देना पड़ सकता है। खासकर टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े एमएसएमई भुगतान नियम में 45 दिन की जगह 90 दिनों की मोहलत चाहते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पिछले साल एक फरवरी को पेश बजट में एमएसएमई की कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की समस्या को दूर करने के लिए 45 दिनों के भीतर खरीदारी के भुगतान को अनिवार्य करने का नियम लाया गया था।

इस नियम के तहत अगर 45 दिनों के भीतर खरीदारी का भुगतान नहीं किया गया तो वह रकम खरीदार की आय में जुड़ जाएगी और उन्हें उस पर टैक्स भरना होगा।

1 अप्रैल से लागू होगा नियम

एमएसएमई के मुताबिक आगामी एक अप्रैल से यह नियम लागू हो रहा है और अगर इस साल 31 मार्च तक वे खरीदारी का भुगतान नहीं करते हैं, तो खरीदारी की रकम उनकी आय मानी जाएगी और उन्हें 30 प्रतिशत तक का टैक्स देना पड़ सकता है। अब एमएसएमई इस नियम में बदलाव चाहते हैं। खासकर टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े एमएसएमई भुगतान नियम में 45 दिन की जगह 90 दिनों की मोहलत चाहते हैं। इस संबंध में गारमेंट व्यापारियों ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री से भी मुलाकात की है।

फिस्मे ने क्या कहा?

फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (फिस्मे) का कहना है कि यह बात सही है कि एमएसएमई से खरीदारी का समय 45 दिन से अधिक हो गया है और उनका भुगतान नहीं हुआ है तो 31 मार्च के बाद खरीदारी की रकम उस खरीदार के बैलेंस शीट में आय के रूप में दर्ज हो जाएगी और उन्हें टैक्स भी देना पड़ेगा, लेकिन बाद में उस खरीदारी की रकम का भुगतान कर देने पर खरीदार अगले साल सरकार से टैक्स की रकम रिफंड के रूप में वापस ले सकते हैं।

फिस्मे के महासचिव अनिल भारद्वाज के मुताबिक सरकार के इस नियम से उद्यमियों में चिंता जरूर हो गई है, लेकिन सरकार ने रकम लौटाने के बाद टैक्स की वापसी का प्रविधान भी अपने नियम में रखा है। एमएसएमई एक दूसरे से सामान खरीद कर अपना उत्पादन करते हैं, इसलिए सभी एमएसएमई इस नियम से प्रभावित हो रहे हैं।

सरकार ने एमएसएमई को किए जाने वाले भुगतान में देरी की समस्या को दूर करने के लिए चालू वित्त वर्ष के बजट में यह प्रविधान लाया था। चूंकि एमएसएमई अपने भुगतान की समस्या को दूर करने की सरकार से लगातार मांग कर रहे थे।

उद्यमियों के मुताबिक पिछले साल पेश होने वाले बजट में यह प्रविधान लाया गया था तब उन्हें यह लगा कि एक साल के बाद यह नियम लागू होगा, इसलिए उद्यमियों ने इस पर खास ध्यान नहीं दिया।

पर्सनल लोन की आपको भी है जरूरत? ये हैं बेस्ट बैंक, ग्राहकों के जेब पर कम पड़ेगा बोझ

अगर आप पर्सनल लोन लेना चाहते हैं और इस बात से कंफ्यूज है कि कौन सा बैंक इसके लिए बेहतर है तो ये आर्टिकल खास आपके लिए ही है। हम इसमें बताएंगे कि कौन सा बैंक आपको सबसे कम इंटरेस्ट रेट पर लोन देता है। यहां हम 5 ऐसे बैंक को लिस्ट कर रहे हैं इसमें ICICI HDFC और PNB जैसे बैंक शामिल है।

नई दिल्ली। अगर कभी कोई ऐसी इमरजेंसी हो गई, जिसके लिए हमें तुरंत काफी पैसे की जरूरतों हो और हमारे खाते में इतने पैसा ना हो तो? ऐसे में किसी से पैसे उधार लेने के बजाय आप पर्सनल लोन के बारे में सोच सकते हैं। वैसे पर्सनल लोन खुद में ही एक अहम जिम्मेदारी है, लेकिन सही फैसले लेते हुए आप सबसे कम इंटरेस्ट रेट पर लोन ले सकते है। यहां हम आपको कुछ बैंकों के बारे में बताएंगे, जो सबसे कम इंटरेस्ट रेट पर पर्सनल लोन दे रहे हैं। आपको बता दें कि पर्सनल लोन लेने के लिए जरूरी है कि आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो, वरना बैंक आपकी लोन रिक्वेस्ट को रिजेक्ट भी कर सकते हैं। यहां हमन ऐसे 5 बैंकों की लिस्ट बनाई है, तो आइये इनके बारे में जानते हैं।

आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank)

इस लिस्ट में पहला नाम ICICI बैंक का है, जो आपको कम इंटरेस्ट रेट पर पर्सनल लोन देत है। इसमें लोन पर 10.65% से 16% के बीच ब्याज लगाया जाता है।

इस के साथ बैंक प्रोसेसिंग फी लोन अमाउंट के 2.50% के बराबर होती है।

एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank)

एचडीएफसी बैंक के साथ आपसे पर्सनल लोन पर सालाना 10.75% 24 % के बीच ब्याज लेता है। शुल्क की बात करें तो लोन पर 4,999 रुपये प्लस जीएसटी की प्रोसेसिंग फी लगती है।

इस बैंक के पर्सनल लोन का टाइम पीरियड 3 से 72 महीने का होत है और आपको 40 लाख रुपये तक का पर्सनल लोन मिल सकता है।

पांच अरब डालर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार गोल्ड रिजर्व में भी जबरदस्त तेजी

रिजर्व बैंक के अनुसार, बीते हफ्ते सोने का भंडार भी 60.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 48.08 अरब डॉलर हो गया।

डाटा के अनुसार बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में 5.186 अरब डालर की वृद्धि हुई है। अब कुल विदेशी मुद्रा आस्तियां बढ़कर 551.331 अरब डालर हो गई हैं। देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसी प्रकार बीते सप्ताह स्वर्ण भंडार 60.8 करोड़ डालर बढ़कर 48.088 अरब डालर रहा है। आइएमएफ के पास जमा में बीते सप्ताह कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मुंबईः देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 5.736 अरब डालर की वृद्धि रही। आरबीआइ की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दो फरवरी को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढकर 622.469 अरब डालर हो गया है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 59.1 करोड़ डालर की वृद्धि हुई थी।

डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में 5.186 अरब डालर की वृद्धि हुई है। अब कुल विदेशी मुद्रा आस्तियां बढ़कर 551.331 अरब डालर हो गई हैं। देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसी प्रकार बीते सप्ताह स्वर्ण भंडार 60.8 करोड़ डालर बढ़कर 48.088 अरब डालर रहा है।

आइएमएफ के पास जमा में बीते सप्ताह कोई बदलाव नहीं हुआ है। बता दें कि अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद डालर की बिक्री से इसमें कमी आई थी। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

रिजर्व बैंक के अनुसार, बीते हफ्ते सोने का भंडार भी 60.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 48.08 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.19 अरब डॉलर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित जमा 4.86 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित बनी रही।

पेटीम ई-कॉमर्स का बदल गया नाम, अब ऐसे पहचानी जाएगी ये कंपनी

पेटीएम ई-कामर्स ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफा र्म्स कर लिया है। साथ ही उसने आनलाइन रिटेल कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिटसिला का अधिग्रहण किया है। पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में दो दिनों में 15 प्रतिशत की अधिक गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 6.09 प्रतिशत गिरकर 419.85 रुपये पर बंद हुआ।

नई दिल्ली। पेटीएम ई-कामर्स ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफार्म्स कर लिया है। साथ ही उसने आनलाइन रिटेल कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिटसिला का अधिग्रहण किया है। बिटसिला ओएनडीसी पर एक विक्रेता प्लेटफार्म है।

Paytm को मिली मंजूरी

मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि कपंनी ने करीब तीन महीने पहले नाम बदलने के लिए आवेदन किया था। आठ फरवरी को उसे कंपनी रजिस्ट्रार से मंजूरी मिल गई। एलिवेशन कैपिटल पेटीएम ई-कामर्स में सबसे बड़ी शेयरधारक है। इसे पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा, साफ्टबैंक और ईबे का भी समर्थन प्राप्त है।

Paytm के शेयर हुए धड़ाम

पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में दो दिनों में 15 प्रतिशत की अधिक गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 6.09 प्रतिशत गिरकर 419.85 रुपये पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब कंपनी को शेयर 8.67 प्रतिशत गिरकर 408.30 रुपये पर पहुंच गया था। एनएसई पर कंपनी के शेयर 6.15 प्रतिशत गिरकर 419.15 रुपये पर आ गए। कारोबार के दौरान एक समय स्टाक 8.20 प्रतिशत गिरकर 410 रुपये पर आ गया था। दो दिनों के रिकार्ड को देखें तो कंपनी का शेयर 15.48 प्रतिशत गिरा है।

एनबीएफसी के लिए बैंक लाइसेंस मांगना ठीक नहीं, आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने बजाज फिनसर्व के चेयरमैन की मांग

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने NBFC से बैंकों में परिवर्तित होने की मांग के बारे में भी बात की और कहा कि एनबीएफसी को कुछ फायदे मिलते हैं। राव ने कहा एनबीएफसी कुछ खास आर्थिक कार्य करने वाली विशिष्ट कंपनियों के रूप में विकसित हुई हैं और बैंक जैसा बनने की मांग करना उनके लिए अस्वाभाविक है।

नई दिल्ली। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने शुक्रवार को कहा कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के लिए बैंक लाइसेंस मांगना ठीक नहीं है। राव ने कहा कि इसके पीछे एक बड़ी वजह यह है कि एनबीएफसी को पहले ही कुछ नियामकीय लाभ हासिल हैं।

राव की यह टिप्पणी बजाज फिनसर्व के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव बजाज के भाषण के ठीक बाद आई है। बजाज ने कहा था कि कम से कम कुछ एनबीएफसी के लिए बैंक लाइसेंस के बारे में सोचा जाना चाहिए।

खासतौर से उनके बारे में जिन्होंने 10 साल पूरे कर लिए हैं और अनुपालन जरूरतों को पूरा किया है। उद्योग संगठन सीआईआई के एक कार्यक्रम में राव ने छोटी राशि के कर्ज देने वाले ऋ्णदाताओं पर इस बात के लिए निशाना साधा कि नियामक ने उन्हें ब्याज दरों पर जो आजादी दी है, वे उसका दुरुपयोग करके अधिक ब्याज वसूलते हैं। उन्होंने सीधे ऋ्ण देने वाले प्लेटफार्म पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी कुछ व्यावसायिक गतिविधियां लाइसेंस दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं हैं, और यह स्पष्ट किया कि ऐसे उल्लंघन स्वीकार्य नहीं हैं।

डिप्टी गवर्नर ने एनबीएफसी से बैंकों में परिवर्तित होने की मांग के बारे में भी बात की और कहा कि एनबीएफसी को कुछ फायदे मिलते हैं। राव ने कहा एनबीएफसी कुछ खास आर्थिक कार्य करने वाली विशिष्ट कंपनियों के रूप में विकसित हुई हैं और बैंक जैसा बनने की मांग करना उनके लिए अस्वाभाविक है।

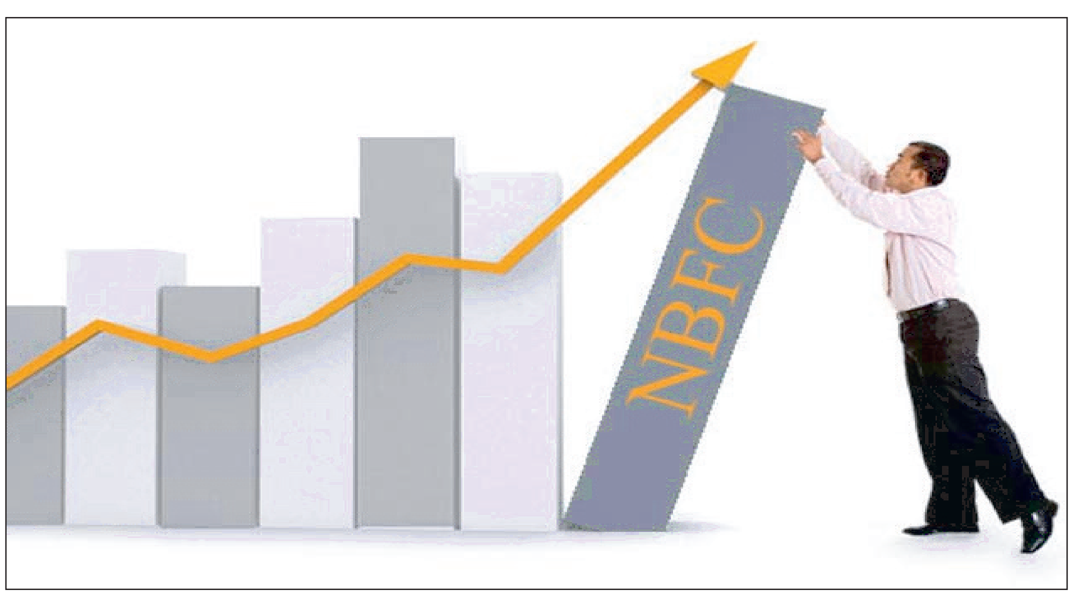

राव ने कहा कि आरबीआई (RBI) अधिक संख्या में एनबीएफसी को जमा स्वीकार करने की अनुमति देने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने बताया कि एक भी नया लाइसेंस नहीं दिया गया है और जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी की संख्या 200 से कम होकर अब केवल 26 रह गई है।

विदेशी निवेशकों ने इक्विटी से निकाले 24,734 करोड़, FPI ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का किया निवेश

डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके विपरीत इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रही गिरावट के चलते शीर्ष-10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.16 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है।

नई दिल्ली। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की घरेलू इक्विटी बाजारों से लगातार निकासी जारी है। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, 25 जनवरी तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 24,734 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके विपरीत, इस अवधि में एफपीआइ ने डेट बाजारों में 17,120 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआइ ने इससे पहले दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में नौ हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि चिंता का विषय है। इससे नकदी बाजार में बिकवाली का हालिया दौर शुरू हो गया है। विजयकुमार के अनुसार, वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदमों के चलते हुई थी जिससे 10 वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड पर यील्ड पांच प्रतिशत से घटकर 3.8 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, अब यह फिर बढ़कर 4.18 प्रतिशत हो गई है। इससे संकेत मिलता है कि फेडरल रिजर्व 2024 की दूसरी छमाही में ही ब्याज दरों में कटौती करेगा। मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि एफपीआइ ने सतर्कता के साथ नए वर्ष की शुरुआत की है। इसी सोच के साथ उन्होंने भारतीय इक्विटी बाजारों में मुनाफावसूली शुरू की है। पूरे 2023 के दौरान एफपीआइ ने घरेलू इक्विटी बाजारों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और डेट बाजारों में 68,663 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

एफडीआई का पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है भारत : गोयल

Piyush Goyal ने कहा कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का एक दौर ऐसा था जब लोगों ने भारत की तुलना में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर कहीं अधिक गहरे प्रभाव की कल्पना की थी। हालांकि हमारी मांग में मजबूती बनी रही और नए अवसर बनते रहे। जिसके चलते अन्य समकक्ष देशों की तुलना में हमारे पास एफडीआई का प्रवाह फिर से बढ़ने लगा।

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद भारत एक पसंदीदा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका सहित दुनियाभर में ब्याज दरें बढ़ीं हैं और इससे विकसित देशों में पूंजी का प्रवाह एक बार फिर से शुरू हुआ है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा 'ब्याज दरों में बढ़ोतरी का एक दौर ऐसा था जब लोगों ने भारत की तुलना में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर कहीं अधिक गहरे प्रभाव की कल्पना की थी। हालांकि हमारी मांग में मजबूती बनी रही और नए अवसर बनते रहे, जिसके चलते अन्य समकक्ष देशों की तुलना में हमारे पास एफडीआइ का प्रवाह फिर से बढ़ने लगा।

अप्रैल-जून 2022 में 38.94 अरब डॉलर के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान एफडीआइ का प्रवाह 15.5 प्रतिशत घटकर 32.9 अरब डालर रह गया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी धन प्रवाह में तीव्र वृद्धि किसी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत हानिकारक होती है, इसलिए मुझे लगता है कि भारत मुद्रास्फीति के नियंत्रण में एक बहुत अच्छा संतुलन बनाने में सक्षम है।

यूपी के इस जिले में 12 रूटों पर चलेंगी डबल डेकर बसें, जानिए कौन से होंगे वे रूट और क्या है तैयारी....

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने योजना तैयार कर सूची जारी की है। प्रदेश के प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू की ओर से जारी योजना के अनुसार 12 रूट प्रस्तावित किए गए हैं। जानिए कौन से होंगे वे रूट।

गौतमबुद्ध नगर में 12 रूटों पर जल्द ही डबल डेकर बसें चलेंगी। इससे यात्रियों को लाभ होगा और विभाग को भी राजस्व मिलेगा। इस संबंध में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने योजना तैयार कर सूची जारी की है। प्रदेश के प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू की ओर से जारी योजना के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर के 12 रूटों पर डबल डेकर बस चलना प्रस्तावित है। इसमें नोएडा और ग्रेनो से गुजरने वाले रूट शामिल हैं। दादरी निवासी समाजसेवी डॉ. आनंद आर्य भी

विभिन्न समय पर रूटों पर बस संचालित करने की मांग करते रहे हैं।---

इन रूटों पर चलेंगी बसें

1. नोएडा-घंघोला नहर-कनारसी-रबूपुरा
2. नोएडा-परी चौक-रबूपुरा झाझर-रन्हेरा
3. नोएडा-जेवर कट-जहांगीरपुर-लोदाना
4. नोएडा-परी चौक-नहर बिलासपुर दनकौर-झाझर
5. नोएडा-परी चौक-रबूपुरा-जेवर हामिदपुर-झुप्पा
6. नोएडा-परी चौक-रबूपुरा-तिरथली-करौली-गोविंदगढ़
7. नोएडा-खेड़ा मोड़-तकीपुर-अनवरपुर सुहेदी
8. नोएडा-सूरजपुर-दादरी महावड़
9. नोएडा-सूरजपुर-दादरी-कलौंदा
10. नोएडा-देहरा झाल
11. नोएडा-सूरजपुर-लुहारली कट
12. नोएडा-छायंसा

डबल डेकर बस चलाने के संबंध में आधिकारिक रूप से कोई सूचना नहीं है, लेकिन शासन की ओर से अच्छी परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। इससे यात्रियों को फायदा मिलेगा।

- केसरी नंदन चौधरी, क्षेत्रीय अधिकारी, गाजियाबाद संभाग परिवहन विभाग

भुबनेश्वर सांसद अपराजिता षाड़ंगी ने जायदेब मे पदयात्रा की

परिवहन विशेष न्यूज

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़शिा , भुबनेश्वर : सांसद श्रीमती अपराजिता षाड़ंगी द्वारा मंडल अध्यक्ष श्री संजय त्रिपाठी के नेतृत्व में जयदेव विधानसभा क्षेत्र के भिंगरपुर मंडल प्रतापरुद्रपुर पंचायत के ओलारबिंधा गांव से अंथवारी गांव तक पदयात्रा निकाली गई। आयोजन में मंडल महासचिव श्री सौम्यरंजन दास, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती ममता साहू, शक्ति केंद्र प्रमुख श्री निरंजन बेहरा सहित प्रमुख प्रद्युम्न ने योगदान दिया। अजीता आजीविका केंद्र की प्रमुख श्रीमती सुनीता पटनायक की देखरेख में माननीय सांसद द्वारा एक पेपर प्लेट मशीन का उद्घाटन किया गया। राज्य अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष श्री जगन्नाथ बेहरा, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष श्री शिव मल्लिक, जिला उपाध्यक्ष श्री मगुनी सेठी, जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष श्री तापस जेना, वरिष्ठ बाजपा नेता श्री बसंत नाइक सहित प्रमुख कार्यकर्ता और महिला नेता एवं सैकड़ों की संख्या में आम जनता उपस्थित थी।कार्यक्रम का सफल प्रचार-प्रसार किया गया।

ओड़िशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने भगवान के दर्शन किये

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़शिा , भुबनेश्वर : ओडिशा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति चक्र धरि शरण सिंह गुरुवार को पुरी आये और भगवान से मुलाकात की । कड़ी सुरक्षा के बीच चीफ जस्टिस सिंह अपने परिवार के साथ रात 8 बजे पुरी पहुंचे। मंदिर के सिंह द्वार के सामने मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से उनका स्वागत किया गया ।मुख्य न्यायाधीश ने सपरिवार रत्नसिंघासन रूध श्रीविग्रहम का दौरा किया। कुछ समय भीतरी प्रांगण में संकदेव देवी के दर्शन करने के बाद वे सीढ़ियों से होकर निकल गये। श्रिमंदिर प्रशासन की ओर से मुख्य न्यायाधीश को भगवान महाप्रभु के श्री अंग्लागी पतन का बैनर और स्मृति चिह्न भेंट किया गया । इस अवसर पर जिला कलेक्टर विजय कुमार दास, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, एसपी पिनाक मिश्रा, श्रीमंदिर नीति प्रशासक जीतेंद्र साहू और पुरी कोर्ट के न्यायाधीश उपस्थित थे।

कौन सी धातु के बर्तन में भोजन करने से क्या क्या लाभ और हानि होती है ?

सोना :- सोना एक गर्म धातु है। सोने से बने पात्र में भोजन बनाने और करने से शरीर के आन्तरिक और बाहरी दोनों हिस्से कठोर, बलवान, ताकतवर और मजबूत बनते है और साथ साथ सोना आँखों की रौशनी बढ़ता है।

चाँदी :- चाँदी एक ठंडी धातु है, जो शरीर को आंतरिक ठंडक पहुंचाती है। शरीर को शांत रखती है इसके पात्र में भोजन बनाने और करने से दिमाग तेज होता है, आँखों स्वस्थ रहती है, आँखों की रौशनी बढती है और इसके अलावा पित्तदोष, कफ और वायुदोष को नियंत्रित रहता है।

कांसा :- काँसे के बर्तन में खाना खाने से बुद्धि तेज होती है, रक्त में शुद्धता आती है, रक्तपित शांत रहता है और भूख बढ़ाती है। लेकिन काँसे के बर्तन में खट्टी चीजे नहीं परोसनी चाहिए खट्टी चीजे इस धातु से क्रिया करके विषैली हो जाती है जो नुकसान देती है। कांसे के बर्तन में खाना बनाने से केवल प्रतिशत ही पोषक तत्व नष्ट होते हैं।

तांबा :- तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से व्यक्ति रोग मुक्त बनता है, रक्त शुद्ध होता है, स्मरण-शक्ति अच्छी होती है, लीवर संबंधी समस्या दूर होती है, तांबे का पानी शरीर के विषैले तत्वों को खत्म कर देता है इसलिए इस पात्र में रखा पानी स्वास्थ्य के लिए उत्तम होता है. तांबे के बर्तन में दूध नहीं पीना चाहिए इससे शरीर को नुकसान होता है।

पीतल :- पीतल के बर्तन में भोजन पकाने और करने से कृमि रोग, कफ और वायुदोष की बीमारी नहीं होती। पीतल के बर्तन में खाना बनाने से केवल ७ प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट होते हैं।

लोहा :- लोहे के बर्तन में बने भोजन खाने से शरीर की शक्ति बढती है, लोह्तत्व शरीर में जरूरी पोषक तत्वों को बढ़ता है। लोहा कई रोग को खत्म करता है, पांडू रोग मिटाता है, शरीर में सूजन और पीलापन नहीं आने देता, कामला रोग को खत्म करता है, और पीलिया रोग को दूर रखता है. लेकिन लोहे के बर्तन में खाना नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसमें खाना खाने से बुद्धि कम होती है और दिमाग का नाश होता है। लोहे के पात्र में दूध पीना अच्छा होता है।

स्टील :- स्टील के बर्तन नुक्सान दायक नहीं होते क्योंकि ये ना ही गर्म से क्रिया करते है और ना ही अम्ल से. इसलिए नुक्सान नहीं होता है. इसमें खाना बनाने और खाने से शरीर को कोई फायदा नहीं पहुँचता तो नुक्सान भी नहीं पहुँचता।

एलुमिनियम :- एल्युमिनिय बोक्साईट का बना होता है। इसमें बने खाने से शरीर को सिर्फ नुक्सान होता है। यह आयरन और कैल्शियम को सोखता है इसलिए इससे बने पात्र का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे हड्डियां कमजोर होती है. मानसिक बीमारियाँ होती है, लीवर और नर्वस सिस्टम को क्षति पहुंचती है। उसके साथ साथ किडनी फेल होना, टी बी, अस्थमा, दमा, बात रोग, शुगर जैसी गंभीर बीमारियाँ होती है। एलुमिनियम के प्रेशर कूकर से खाना बनाने से 87 प्रतिशत पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

मिट्टी :- मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने से ऐसे पोषक तत्व मिलते हैं, जो हर बीमारी को शरीर से दूर रखते थे। इस बात को अब आधुनिक विज्ञान भी साबित कर चुका है कि मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने से शरीर के कई तरह के रोग ठीक होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, अगर भोजन को पौष्टिक और स्वादिष्ट बनाना है तो उसे धीरे-धीरे ही पकना चाहिए। भले ही मिट्टी के बर्तनों में खाना बनने में वक्त थोड़ा ज्यादा लगता है, लेकिन इससे सेहत को पूरा लाभ मिलता है। दूध और दूध से बने उत्पादों के लिए सबसे उपयुक्त है मिट्टी के बर्तन। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से पूरे १०० प्रतिशत पोषक तत्व मिलते हैं। और यदि मिट्टी के बर्तन में खाना खाया जाए तो उसका अलग से स्वाद भी आता है।

जलपात्रं तु ताम्रस्य तदभावे मृदो हितम्।

पवित्रं शीतलं पात्रं रचितं स्फटिकेन यत्।

काचेन रचितं तद्वत् वैडूर्यसम्भवम्।

(भावप्रकाश, पूर्वखंडः4)

अर्थात्- पानी पीने के लिए ताँबा, स्फटिक अथवा काँच-पात्र का उपयोग करना चाहिए। सम्भव हो तो वैडूर्यरत्नजड़ित पात्र का उपयोग करें। इनके अभाव में मिट्टी के जलपात्र पवित्र व शीतल होते हैं। टूटे-फूटे बर्तन से अथवा अंजलि से पानी नहीं पीना चाहिए

श्री आईजी गौशाला मेडचल मे मारवाड़ी युवा मंच गंदीमैसामा द्वारा घास खिलाई

तेलंगाना हैदराबाद मेडचल

हैदराबाद मेडचल 9 फरवरी शुक्रवार अमावस्या पर ₹श्री आईजी गौशाला₹ मेडचल में अमावस्या के उपलक्ष पर मारवाड़ी युवा मंच गंदीमैसामा शाखा के द्वारा मेडचाल स्थित ₹ श्री आईजी गौशाला ₹ में गाय के लिए एक ट्राली घास डाला गया, इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष मंगल मुलेवा संगठन मंत्री किशोर बरफा पूर्व कोषाध्यक्ष पूराराम सीरवी बगदाराम सीरवी राजाराम माली एवं अन्य उपस्थित रहे।

विश्व मंगल गौशाला में भजन कार्यक्रम आयोजित

तेलंगाना मेडचल

तेलंगाना मेडचल विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या के अवसर भजन कार्यक्रम आयोजित किया ओर भक्तिमय प्रस्तुति " एक दिन गौमाता के नाम विशाल जागरण _विश्व-मंगल गौशाला सोमाराम विलेज मेडचल हैदराबाद _में आयोजित जिसमे प्रमुख भजन सिंगर :- आशा प्रजापत, महावीर नागोरी, राम चंद्र प्रजापत, नर्त्य कलाकार दीपिका भाट, अर्जुन चेला। आप सभी का सहयोग के लिए धन्यावाद। प्रमुख सहयोग करता भोजन प्रसादी श्री राजूराम जी प्रजापत, श्रीमती संतोष देवी श्री सुनीलजी अग्रवाल श्रीमती बबिताजी , श्री वक्तारामजी सीरवी

,नन्दारामजी सीरवी श्री भुण्डारामजी सीरवी द्वारा, और हरी घास की वयवस्था श्री महिपाल जी सीरवी, श्री रूपेशजी सुथार, श्री दलपत रामजी सुथार, श्री देवारामजी सीरवी, श्री राजरामजी माली, द्वारा की जा रही हे आज अमावस्या के उपलक्ष में ,आप भी अपने प्रोग्राम हुआ है लाईव बीआर राजस्थान मिडिया हैदराबाद भगवान राम राठौड़ (लाईव टेलीकास्ट कम्पनी हैदराबाद) सीधा प्रसारण लाईव चल रहा था।

नवगठित ज़िले शाहपुरा में राजस्व अधिकारियों की प्रथम समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

लक्ष्य के अनुरूप समय सीमा में करें लंबित प्रकरणों का निराकरण – ज़िला कलेक्टर

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। राजस्व कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से राजस्व अधिकारी पूरा करें, ताकि लोगों को अपने राजस्व से संबंधित मामलों में त्वरित न्याय मिल सके। जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा ने यह बात शुक्रवार को ज़िला कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त राजस्व अधिकारियों से नवगठित जिले शाहपुरा की प्रथम राजस्व समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा ने राजस्व न्यायालय में लम्बित प्रकरणों, नामान्तकरण, सीमा ज्ञान, पत्थरगढ़ी के लम्बित प्रकरणों पर समीक्षा, रास्ते के प्रकरण, नवीन राजस्व ग्रामों, मासिक मानचित्र में निस्तारित एवं लम्बित रहे प्रकरणों तथा गैर खातेदारी से खातेदारी के समस्त लम्बित प्रकरणों, ऑनलाईन भूमि सम्परिवर्तन के लम्बित प्रकरणों के सम्बन्ध में, राजस्व वसूली के प्रकरणों पर समीक्षा की एवं सभी उपखंड अधिकारियों को लंबित मुद्दों के निराकरण के लिए निर्देशित किया।

बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मीणा , ज़िले के समस्त उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा गिरदावर मौजूद रहे।

वैष्णव बैरागी समाज विकास सेवा समिति मातृकुंडिया के चुनाव सम्पन, नाथू दास लसाडिया बने अध्यक्ष

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। बागोर आम मेवाड़ वैष्णव बैरागी समाज विकास समिति मातृकुंडिया के चुनाव संपन्न हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी लादू दास वैष्णव ने बताया कि आम मेवाड़ वैष्णव बैरागी समाज विकास समिति मातृकुंडिया के अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष का चुनाव हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर नाथू दास लसाडिया, किशन दास चटावटी, महामंत्री पद पर रामस्वरूप दास महेंद्रगढ़, कैलाश चंद्र मरोली, कोषाध्यक्ष पद पर कैलाश चंद्र सांखली, जगदीश चंद्र रेलमगरा, नानू दास बावलास ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के साथ ही चुनाव मैदान में बने रहे। चुनाव मैदान में बने हुए सात प्रत्याशियों को समाज के मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर वोट किया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में मतगणना के बाद नाथू दास वैष्णव लसाडिया को अध्यक्ष, रामस्वरूप दास वैष्णव महेंद्रगढ़ को महामंत्री, कैलाश चंद्र सांखली को कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। इस पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष

सहित पदाधिकारीयों का मेवाड़ी पगड़ी एवं ऊपरना और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

साथ ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष नाथू दास लसाडिया ने समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहां की समाज के प्रत्येक मतदाता ने समाज की सेवा करने का अवसर प्रदान किया हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की हर संभव मदद करने का प्रयास किया जाएगा साथ ही नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के द्वारा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समाज की मुख्य धाराओं से जोड़कर एकजुट करने का अथक प्रयास रहेगा। समाज के प्रत्येक युवा को शिक्षा से जोड़कर शिक्षित समाज बनाने का कार्य करने के साथ ही समाज का गौरव बढ़ाने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक मंच देने की तथा समाज के खिलाड़ियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित कर समाज से जोड़ने की प्राथमिकता रहेगी। साथ ही अध्यक्ष ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरुतियों की रोकथाम का भी प्रमुख लक्ष्य रहेगा। इस दौरान महंत माधू दास, द्वारका दास, गोवर्धन दास, रतन दास, शंकर दास, शंकर दास, पूर्व अध्यक्ष भेरू दास, शंकर दास, रामचंद्र दास, माधव दास, शांति दास, प्रहलाद दास, दिलीप, मुकेश दास, पन्ना दास, मुरली दास, नरेश, प्रभु दास, लादू दास, श्याम दास, गोवर्धन दास, बालू दास, कन्हैया लाल, राधेश्याम दास, जगदीश दास, पिंकेश, हरीश, सुनील, गोपाल कृष्ण, पवन, नारायण, किशन लाल, सांवरिया, गणेश दास, भंवर दास, हीरा दास, मुकेश चंद्र, मिठू दास, मांगी दास, गोपाल दास सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षादेत्तर संघ द्वारा शिक्षा पंचायत 10 फरवरी को मनोहर भूषण इंटर कॉलेज बरेली में आयोजित की जा रही है इस पंचायत में लिपिक वर्ग एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वर्ग पूरे प्रदेश से भाग लेने आ रहे हैं प्रदेश महामंत्री मुकेश सिंह सिकरवार ने बताया कि उक्त पंचायत में मुख्य अतिथि डॉक्टर अरुण कुमार वन मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं कंवर महाराज सिंह सदस्य विधान परिषद प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे आगरा मंडल से भाग लेने के लिए युद्ध स्थल पर विद्यालयों में जनसंपर्क किया जा रहा है जिससे सोई हुई सरकार को कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023